RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 115 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 19-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : मनू भाकर

6 नवदृष्टि का समय : बदलाव की राह अपने बच्चों से

7 एआई की हर बात पर आंख मूंदकर भरोसा न करें : सुंदर पिचाई

फर्स्ट टेक

नाइजीरिया में स्कूल से अपहृत 25 छात्राओं में से एक घर लौटी

केब्बी (नाइजीरिया)/एपी। अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिम में स्थित केब्बी राज्य के एक स्कूल के छात्रावास से अपहृत 25 छात्राओं में से एक छात्रा अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर घर लौट आई है। स्कूल की प्रधानाचार्य ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सोमवार सुबह नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित एक हाई स्कूल पर बंदूकधारियों ने हमला कर 25 छात्राओं का अपहरण कर लिया था और स्कूल के एक कर्मचारी की हत्या कर दी थी। स्कूल की प्रधानाचार्या मूसा रबी मगाजी ने बताया कि अपहृत 25 लड़कियों में से एक छात्रा बदमाशों के चंगुल से छूटकर जंगलों के रास्ते सोमवार देर रात सुरक्षित अपने घर पहुंच गई। उन्होंने बताया कि हमले के कुछ ही मिनटों बाद एक अन्य छात्रा भी भाग निकली, लेकिन वह अपहृत 25 छात्राओं में शामिल नहीं थी।

यूक्रेन की आपूर्ति लाइन पर हुए विस्फोट के पीछे रूस का हाथ होने का संकेत मिले हैं : पोलैंड

वारसॉ/एपी। साक्ष्यों से पता चलता है कि रूसी खुफिया सेवाओं ने सप्ताहांत में पोलैंड में एक रेल पटरी को उड़ाने का संभवत: आदेश दिया था। यह जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने मंगलवार को दी। पोलिश प्रेस एजेंसी (पीएपी) के अनुसार, पोलैंड के सुरक्षा सेवा मंत्री के प्रवक्ता जेसेक डोब्रज़िन्स्की ने मंगलवार सुबह कहा, सब कुछ इस ओर इशारा करता है कि रेल दुर्घटना में रूसी गुप्त सेवाओं का हाथ था। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने इसे तोड़फोड़ की अभूतपूर्व कार्रवाई बताया है। पोलैंड की राजधानी वारसॉ को यूक्रेन की सीमा से जोड़ने वाली रेल लाइन के एक हिस्से को सप्ताहांत में उड़ा दिया गया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी: विनजो, गेम्ज़क्राफ्ट के खिलाफ ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन की जांच के तहत मंगलवार को ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म विनजो और गेम्ज़क्राफ्ट से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी कुल 11 परिसरों पर की गई, जिनमें पांच बेंगलूरु, चार दिल्ली और दो गुरुग्राम (हरियाणा) में स्थित हैं। ईडी के सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दो ऑनलाइन गेमिंग कंपनी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है, जिनके पास विनजो ऐप और गेम्ज़क्राफ्ट (पॉकेट52.कॉम) नामक वेबसाइट के स्वामित्व हैं।

19-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 20-11-2025 सूर्योदय 6:20 बजे

BSE	NSE
84,673.02	25,910.05
(-277.93)	(-103.40)

सोना	चांदी
12,878 रु.	159,605 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।

जो कोई भी 'भारत पर गर्व' करता है, वह हिंदू है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि जो कोई भी ''भारत पर गर्व'' करता है, वह हिंदू है।

भागवत ने यहां प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत में दावा किया कि 'हिंदू' केवल एक धार्मिक शब्द नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने कहा, ''भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को 'हिंदू राष्ट्र' होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता नहीं है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इसे दर्शाती है।''

भागवत ने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या उसे नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा, ''विविधता के बीच भारत को एकजुट करने की पद्धति को आरएसएस कहा जाता है।''

भागवत ने असम में ''जनसांख्यिकीय परिवर्तनों'' से जुड़ी चिंताओं से निपटने के लिए आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी भूमि और पहचान के प्रति दृढ़ लगाव का आह्वान किया। उन्होंने अवैध घुसपैठ, हिंदुओं के लिए तीन बच्चों के मानदंड सहित एक संतुलित जनसंख्या नीति की आवश्यकता और विभाजनकारी धर्मांतरण का विरोध करने के महत्व जैसे मुद्दों पर बात की। उन्होंने खासकर युवाओं के बीच सोशल मीडिया के जिम्मेदाराना इस्तेमाल की भी वकालत की।

पूर्वोत्तर को भारत की विविधता में एकता का एक बेहतरीन उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसी हस्तियां न केवल क्षेत्रीय महत्व रखती हैं, बल्कि राष्ट्रीय प्रासंगिकता भी रखती हैं और सभी भारतीयों को प्रेरित करती हैं। भागवत ने समाज के सभी वर्गों से राष्ट्र निर्माण के लिए सामूहिक और नि:स्वार्थ भाव से काम करने का आग्रह किया।

कर्नाटक के गृह मंत्री ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच कहा

कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस एकजुट, सरकार को कोई खतरा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच सत्तारूढ़ कांग्रेस में किसी भी तरह के विभाजन के दावों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि पार्टी एकजुट है और सरकार को कोई खतरा नहीं है। नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परमेश्वर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि ऐसी चर्चाएं केवल मीडिया में हैं और विधायक दल में इस संबंध में कोई बातचीत नहीं हुई है।

कर्नाटक में नवंबर में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने पर राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसे कुछ लोग 'नवंबर क्रांति' बता रहे हैं। राज्य में मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर भी अटकलों का दौर जारी है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, अगर पार्टी आलाकमान मंत्रिमंडल फेरबदल को मंजूरी दे देता है, तो इसका मतलब होगा कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया अपने पद पर बने रहेंगे और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस पद पर आसीन होने की संभावना समाप्त हो जाएगी।

परमेश्वर ने नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, ये सारी अटकलें कौन लगा रहा है? पार्टी के अंदर हमने कुछ भी तय नहीं किया है, हमने कुछ भी चर्चा नहीं की है। नेतृत्व परिवर्तन या विस्तार के बारे में सीएलपी (कांग्रेस विधायक दल) को न तो बुलाया गया है और न ही चर्चा की गई है, पार्टी के अंदर ऐसा कुछ नहीं हो रहा। यह केवल बाहर मीडिया में है, बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा, स्वाभाविक है कि अगर आप (मीडिया) आएंगे और मेरी प्रतिक्रिया मांगेंगे, तो मैं कुछ कहूंगा और इसी तरह यह सब (अटकलबाजी) चल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पार्टी के अंदर इस दिशा में कोई चर्चा हो रही है।

जल को पवित्र, सीमित राष्ट्रीय संसाधन समझें : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान करते हुए निजी व्यक्तियों और सार्वजनिक निकायों से जल को एक पवित्र और सीमित राष्ट्रीय संसाधन मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि भारत को अपने मीठे पानी के सीमित भंडार पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा, ''हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने ऋग्वेद में कहा था, अप्सु अन्तः अमृतम् (जल में अमरता है)।'' उन्होंने कहा, ''जल ही जीवन है। एक व्यक्ति भोजन के बिना कुछ दिन जीवित रह सकता है लेकिन पानी के बिना नहीं। हमें याद रखना चाहिए कि हम एक बहुत ही मूल्यवान संसाधन का उपयोग कर रहे हैं।''

मुर्मू ने नागरिकों, संस्थाओं और सरकारों से जल को ''पवित्र एवं सीमित राष्ट्रीय संसाधन'' मानने का आग्रह किया।

शीर्ष नक्सली कमांडर हिडमा समेत छह माओवादी मुठभेड़ में ढेर

मरेदुमिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामराजू जिले में मंगलवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा और उसकी पत्नी समेत छह माओवादी मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। कई हमलों के कथित सूत्रधार हिडमा की मौत को छत्तीसगढ़ पुलिस ने उग्रवाद के 'ताबूत में आखिरी कील' करार दिया। अल्लूरी सीतारामराजू जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि मुठभेड़ सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच मरेदुमिल्ली मंडल के जंगली इलाके में हुई। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''आज सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच मरेदुमिल्ली मंडल इलाके में माओवादियों और पुलिस दल के बीच गोलीबारी हुई।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को बेंगलूरु में बेंगलूरु टेक समिट 2025 (बीटीएस 2025) के 28वें संस्करण 'फ्यूचराइज़' का उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल, आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे, बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार-शॉ और इंफोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन उपस्थित थे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन में कहा

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। भारत ने मंगलवार को कहा कि विश्व को आतंकवाद के सभी प्रकारों एवं स्वरूपों के प्रति शून्य सहनशीलता प्रदर्शित करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कोई औचित्य नहीं हो सकता तथा इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता एवं इस पर ''लीपापोती'' नहीं की जा सकती।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''जैसा कि भारत ने प्रदर्शित किया है, हमें आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है और हम इसका प्रयोग करेंगे।'' उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि एससीओ को ''बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुकूल होना चाहिए, एक विस्तारित एजेंडा विकसित करना चाहिए और अपनी कार्य पद्धति में सुधार करना चाहिए''।

विदेशमंत्री ने कहा, ''हम इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सकारात्मक एवं पूर्ण योगदान देंगे।''

एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा की गई थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके स्थायी सदस्य बने।

जुलाई 2023 में, भारत द्वारा आयोजित ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में ईरान को एससीओ के नए स्थायी सदस्य का दर्जा दिया गया। उन्होंने कहा, ''हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों से निपटने के लिए की गई थी। बीते वर्षों में ये खतरे और भी गंभीर हो गए हैं।''

वेस्ट बैंक में इजराइली उपद्रवियों ने गांव में आग लगाई

तेल अवीव/एपी। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली उपद्रवियों ने एक फलस्तीनी गांव पर सोमवार को हमला कर घरों और वाहनों में आग लगा दी। हाल के हफ्तों में उपद्रवियों के हमलों की कड़ी के बीच हुए इस ताजा हमले की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने निंदा की। इजराइली सेना ने बताया कि अल-जबा नामक छोटे सा गांव बेथलहम के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और वहां से आगजनी और तोड़फोड़ की सूचना मिलने के बाद सैनिकों और पुलिस को वहां भेजा गया। यह हमला उस घटना के कुछ घंटों बाद हुआ, जब एक नजदीकी पहाड़ी पर स्थित अवैध चौकी को हटाए जाने के दौरान इजराइली सुरक्षा बलों और उसे बचाने में जुटे उपद्रवियों के बीच झड़प हुई थी।

कानूनी रूप से किया जाएगा एसआईआर का मुकाबला : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को लेकर मंगलवार को सवाल खड़े किए और कहा कि इसका राजनीतिक, संगठनात्मक एवं कानूनी रूप से मुकाबला किया जाना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की बैठक के दौरान यह टिप्पणी की।

पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक हुई, जहां मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद जारी है।

इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ-साथ कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता तथा सचिव भी शामिल हुए।

केंदोत्सव

मंगलवार को चिक्कमगलुरु में श्री वीरभद्रेश्वर स्वामी केंदोत्सव के दौरान भक्तों ने अग्नि में चलने के अनुष्ठान में भाग लिया ।

सबरीमला मंदिर में लगभग दो लाख तीर्थयात्री पहुंचे, प्रशासन के लिए भीड़ प्रबंधन हुआ मुश्किल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्तनमथिट्टा/भाषा। केरल के सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर के पट वार्षिक 'मंडला-मकरविलक्कु' तीर्थयात्रा सत्र के लिए खोले जाने के 48 घंटे के भीतर लगभग दो लाख तीर्थयात्री वहां पहुंच गए, जिससे त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) और पुलिस को भीड़ प्रबंधन में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

टेलीविजन चैनल पर प्रसारित दृश्यों में मंदिर के मुख्य द्वार तक पहुंचाने वाली 18 सीढ़ियों के सामने छोटे से क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी जा सकती है।

सबरीमला की तलहटी पंबा से सन्निधानम तक तीर्थयात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे कई लोगों को यात्रा में घंटों की देरी का सामना करना पड़ा।

टीवी चैनल पर प्रसारित दृश्यों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आगे बढ़ने के लिए एक-दूसरे से धक्का-मुक्की करती नजर आ रही थी और इस दौरान अपने माता-पिता के कंधों पर सवार बच्चों को रोते देखा जा सकता था।

कई श्रद्धालुओं को भीड़ नियंत्रण के लिए लगाए गए अवरोधकों पर चढ़ते देखा गया और पुलिस उन्हें रोकने में कड़ी मशक्कत करती नजर आई।

कुछ श्रद्धालुओं ने शिकायत की कि मंदिर के बाहर घंटों कतारों में खड़े होने के दौरान उन्हें पीने का पानी नहीं मिला।

'आप राजनीतिक लड़ाई के लिए मशीनरी का इस्तेमाल क्यों करते हैं?' : न्यायालय की सीबीआई को फटकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड विधानसभा सचिवालय में नियुक्तियों और पदोन्नति में अनियमितताओं के आरोपों की प्रारंभिक जांच शुरू करने की अनुमति मांगने वाली सीबीआई की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी और कहा कि केंद्रीय एजेंसी इस मशीनरी का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई में क्यों कर रही है।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल 14 नवंबर को झारखंड उच्च न्यायालय के 23 सितंबर, 2024 के फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें सीबीआई को राज्य विधानसभा में नियुक्तियों और पदोन्नति में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ मंगलवार को सीबीआई की अंतरिम अर्जी पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें प्रारंभिक जांच शुरू करने की अनुमति मांगी गई थी।

प्रधान न्यायाधीश ने जांच एजेंसी की याचिका खारिज करते हुए कहा, आप अपनी राजनीतिक लड़ाई के लिए मशीनरी का इस्तेमाल क्यों करते हैं? ... हमने आपको कई बार बताया है।

झारखंड विधानसभा सचिवालय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा, यह चौंकाने वाली बात है कि जब मामले सामने आते हैं तो सीबीआई पहले ही अदालत में पेश हो जाती है।

सीबीआई की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा, इस मामले में ऐसा नहीं है।

सिब्बल ने तर्क दिया, केवल यहीं नहीं, पश्चिम बंगाल में भी कई मामलों में माननीय न्यायाधीशों ने इसे देखा है।

विधि अधिकारी ने कहा कि कारण स्पष्ट है और जब कोई अपराध होता है तो सीबीआई सामने आती है।

इससे पहले, न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने उच्च न्यायालय के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें सीबीआई को नियुक्तियों और पदोन्नतियों में कथित अनियमितताओं की जांच करने का निर्देश दिया गया था।

नए उत्तर प्रदेश में अपराध की कोई जगह नहीं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद के नए उत्तर प्रदेश में अपराध की कोई जगह नहीं है और अगर कोई अपराध करने की जुर्रत करता है तो उसे हर हाल में उसकी कीमत चुकानी होगी। योगी ने कहा कि वह दौर समाप्त हो चुका है जब पीड़ित भटकता था और अपराधी मौज-मस्ती करते थे।

उन्होंने कहा कि अब प्रदेश सरकार ने अपराध के खिलाफ नरमी नहीं बरतने की नीति के तहत साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक साइंस लैब्स के माध्यम से ऐसी व्यवस्था लागू की है, जिससे कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गोरखपुर में उद्घीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) के नए भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया। एक विज्ञप्ति के मुताबिक, छह मंजिला हाईटेक भवन के निर्माण पर 72.78 करोड़ रुपए की लागत आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल चार विधि विज्ञान प्रयोगशाला थीं जबकि अब इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है और छह लैब निर्माणाधीन हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रत्येक कमिश्नरेट में आधुनिक फॉरेंसिक लैब उपलब्ध होंगी। योगी ने कहा कि हर जिले में फॉरेंसिक साक्ष्य संकलन के लिए दो-दो मोबाइल वैन उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे कुछ ही घंटों में पुख्ता साक्ष्य इकट्ठा किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए कानूनों, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 के लागू होने के बाद फॉरेंसिक जांच की अहमियत और बढ़ गई है। योगी ने कहा कि सात वर्ष से अधिक सजा वाले अपराधों में अब फॉरेंसिक जांच अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विधि विज्ञान प्रयोगशालाएं युवाओं के लिए रोजगार का नया अवसर भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में स्थापित 'यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस' में लैब टेक्नीशियन, साक्ष्य मिलान और विशेषज्ञता के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं तथा यहां एआई, ड्रोन, रोबोटिक्स और एडवांस डीएनए डायग्नोस्टिक्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 13 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जिससे अपराधियों की तेजी से पहचान संभव हो रही है। योगी ने कहा पारदर्शी, जवाबदेह और सुरक्षित समाज की दिशा में प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

सरदार पटेल की विरासत का जश्न मनाने वाला एकता मार्च राष्ट्र की धड़कन बन गया है : मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि भारत के पहले गृह मंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एकता मार्च 'एकजुट राष्ट्र की धड़कन' और 'युवा शक्ति का राष्ट्रीय आंदोलन' बन गया है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय 'माई भारत' के माध्यम से देश भर में राष्ट्रीय गौरव, नागरिक जुड़ाव और युवाओं की भागीदारी को गहरा करने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी 'सरदार150 एकता मार्च पदयात्रा' का आयोजन कर रहा है। यह पहल छह अक्टूबर को मांडविया द्वारा भारत सरकार के द्विवार्षिक समारोह (2024-2026) के एक भाग के रूप में शुरू की गई थी जो भारत के लौह पुरुष के योगदान और स्थायी विरासत का सम्मान करता है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में जिला स्तरीय पदयात्राओं की प्रगति और राष्ट्रीय पदयात्रा की मुख्य विशेषताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मांडविया ने कहा, ''कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से कोहिमा तक लाखों लोग राष्ट्रीय एकता के लिए एक साथ चले हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत का उत्सव है। साथ ही यह युवा ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाकर विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाने वाला एक राष्ट्रीय आंदोलन भी है।'' खेल मंत्री ने कहा कि 'राष्ट्रीय मार्च' से पहले पूरे भारत में 842 पदयात्राओं में 10 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर से शुरू होगी और छह दिसंबर को समाप्त होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संतुलित होने पर ही अच्छी खबर मिलेगी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर आप तभी अच्छी खबर सुनेंगे जब यह समझौता उचित, न्यायसंगत और संतुलित होगा। गोयल ने साथ ही कहा कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों को ध्यान में रखेगा।

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा यहां आयोजित 22वें भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को किसानों, मछुआरों एवं लघु उद्योगों के हितों को ध्यान में रखना होगा। गोयल ने कहा, ''...एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने हितों की रक्षा करनी होगी। हमें अपने हितधारकों, कंपनियों के हितों की रक्षा करनी होगी। साथ ही किसानों, मछुआरों व लघु उद्योगों के प्रति अपनी संवेदनशीलता के साथ संतुलन बनाना होगा।'' उन्होंने कहा, ''जब हम सही संतुलन बना लेंगे, तो निश्चित रहें कि हमें इसके परिणाम मिलेंगे...जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत और संतुलित हो जाएगा तो आपको अच्छी खबर सुनने को मिल जाएगी।''

भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर मार्च से बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, परिवार में कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती रहती है...। मुझे नहीं लगता कि संबंधों में कोई दरार है। यह दोनों देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बना हुआ है...''

गोयल ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका के साथ एलपीजी आयात समझौता कई साल के लिए हो सकता है। दोनों देशों के बीच मित्रता स्थायी है और साझेदारी लगातार बढ़ रही है।

मंत्री ने कहा, '' हमने अभी-अभी एक बड़े एलपीजी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत हम हर साल 22 लाख टन एलपीजी का आयात लंबी अवधि के लिए करेंगे। इसलिए यह एक सतत प्रक्रिया है। हम दोनों देशों के बीच व्यापार एवं वाणिज्य का विस्तार करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।''

कई अदालतों व सीआरपीएफ स्कूलों में बम रखने होने की धमकी जांच में अफवाह निकलीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की साकेत, द्वारका और पटियाला हाउस अदालतों के साथ-साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा संचालित दो स्कूलों में मंगलवार सुबह बम रखे होने की धमकी दी गई जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा जांच की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि एक आतंकवादी मॉड्यूल के नाम से भेजे गए ईमेल में दावा किया गया था कि अदालत परिसर में सुबह-सुबह विस्फोटक लगा दिए गए हैं, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। जिला अदालत परिसरों की तलाशी के लिए बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और स्थानीय थाने के अधिकारियों की कई टीमें भेजी गईं। पुलिस सूत्र ने बताया, अबतक जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि जिस ईमेल से यह संदेश प्राप्त हुआ था, उसकी उत्पत्ति का पता लगाने के लिए उस पर निगरानी रखी जा रही है। सुबह करीब-करीब इसी वक्त एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कॉल कर बताया कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूलों में बम रखे गए हैं।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में 57 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में 57 प्रतिशत बढ़कर 18,055 इकाई हो गई। टाटा मोटर्स इस खंड में शीर्ष स्थान पर बरकरार रही। उद्योग निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहन (पीवी) की खुदरा बिक्री पिछले वर्ष इसी माह में 11,464 इकाई रही थी।वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के अनुसार, टाटा मोटर्स ने पिछले महीने 7,239 इकाइयां बेचीं जबकि एमजी मोटर इंडिया ने 4,549 इकाइयों की बिक्री की। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले महीने 3,911 इकाइयों के पंजीकरण के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दोपहिया वाहन खंड में पिछले महीने 1,43,887 इकाइयों की बिक्री हुई जो अक्टूबर, 2024 के 1,40,225 इकाइयों की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक है। बजाज ऑटो पिछले महीने 31,426 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ इस खंड में सबसे आगे रही। इसके बाद टीवीएस मोटर कंपनी 29,515 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी ने पिछले महीने 28,101 इकाइयां बेचीं जबकि ओला इलेक्ट्रिक ने 16,036 इकाइयों की बिक्री की। आंकड़ों के अनुसार, इसके बाद हीरो मोटोकॉर्प और ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने क्रमशः 15,952 और 7,629 इकाइयों की बिक्री की। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 70,604 इकाई हो गई।

'केंद्र को पंजाब की भावनाओं से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने राज्य से संबंधित प्रमुख मुद्दों को टालने का फैसला किया है, जिसमें पड़ोसी राज्यों के साथ नदी जल और अन्य अधिकारों का बंटवारा तथा पंजाब विश्वविद्यालय का पुनर्गठन शामिल है। मान ने यह दावा फरीदाबाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक में शामिल होने के एक दिन बाद किया, जहां उन्होंने पंजाब की चिंताओं को उठाया था।

पंजाब के मुख्यमंत्री के अनुसार उन्होंने बैठक में कहा कि केंद्र को पंजाब के हितों की अनदेखी करते हुए राज्य की भावनाओं से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। मान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैंने पंजाब की चिंताओं को उठाया और राज्य से संबंधित मुद्दों पर यथास्थिति बनाए रखने का आह्वान किया, जिसके बाद केंद्र ने पंजाब से संबंधित सभी 11 मुद्दों को स्थगित कर दिया है। पंजाब के अधिकारों को किसी के हाथ में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बैठक में पड़ोसी राज्यों द्वारा किए गए सभी दावों का कड़ा विरोध किया और गृह मंत्री से कहा कि उन्हें पंजाब के अधिकार छीनने की अनुमति न दी जाए। अन्य राज्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दे पंजाब के अधिकारों को छीनने के लिए थे और मैंने उनका कड़ा विरोध किया।उत्तर भारत में सिंचाई के लिए पानी की कमी के मुद्दे को हल करने में मदद के लिए उन्होंने प्रस्ताव दिया कि सिंधु नदी जल संधि को रद्द करने के बाद, चिनाब नदी से 24 एमएएफ (मिलियन एकड़ फुट) पानी पंजाब को दिया जाना चाहिए और इसे सभी उत्तरी राज्यों में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकता है।

शाह ने जुबिन मौत मामले के आरोपियों के लिए आगे कार्रवाई करने की मंजूरी दी : हिमंत शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्य सरकार को जुबिन गर्ग की मौत से जुड़े लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 208 के तहत आगे कार्रवाई करने की मंजूरी दे दी, जिससे पुलिस को आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति मिल गई है।

मुख्यमंत्री का यह बयान मंगलवार को मशहूर गायक जुबिन गर्ग की जयंती के मौके पर आया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इसी दिन माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने सिंगापुर में जुबिन की मौत से जुड़े आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 208 के तहत आवश्यक मंजूरी दी है।'' उन्होंने कहा, ''बीएनएसएस की धारा 208 का मतलब है कि यदि कोई अपराध भारत के बाहर किया जाता है, तो अदालत द्वारा मामला तभी उठाया जा सकता है, जब केंद्र सरकार पूर्व मंजूरी दे।'' शर्मा ने कहा, ''यह मंजूरी एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम है, जिससे हमें आरोप पत्र दाखिल करने और मामले की सुनवाई के लिए मजबूती तथा कानूनी रूप से आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी।'' गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में मृत्यु हो गई थी, जहां वह 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' (एनईआईएफ) में भाग लेने गए थे और उनके दाह संस्कार के बाद कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं तथा राज्य सरकार ने मामलों की जांच के लिए अपराध जांच विभाग के तहत एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

नायडू ने बढ़ती हवाई माल ढुलाई के लिए अधिक कार्गो हवाई अड्डों की वकालत की

नई दिल्ली/भाषा। भारत के नागर विमानन क्षेत्र की विकास संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने मंगलवार को हवाई मार्ग से माल ढुलाई के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अधिक मालवाहक और कार्गो-केंद्रित हवाई अड्डों की वकालत की। भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और बढ़ती हवाई यातायात मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइन कंपनियां अपने बेड़े का विस्तार कर रही हैं। यात्री विमानों के जरिये माल की ढुलाई भी बढ़ रही है। नायडू ने कहा कि भारतीय विमानन कंपनियों को मालवाहक विमानों के संचालन के अवसरों की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि हवाई माल ढुलाई राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका में 200 से अधिक समर्पित मालवाहक विमान हैं, जबकि भारत में केवल 17 पंजीकृत मालवाहक विमान हैं।

मंत्री ने कहा, ''समर्पित मालवाहकों की व्यावसायिक व्यवहार्यता को देखते हुए, मैं भारतीय एयरलाइंस को इस क्षेत्र में विस्तार की संभावनाएं तलाशने के लिए प्रोत्साहित करता हूं।'' उन्होंने हवाई माल ढुलाई की मात्रा बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

पालघर में व्यक्ति ने अपनी भतीजी को चलती ट्रेन से धक्का दिया, लड़की की मौत

पालघर/भाषा। महाराष्ट्र के पालघर में एक व्यक्ति को वसई में अपनी 16 वर्षीय भतीजी को तेज गति से चलती लोकल ट्रेन से कथित तौर पर धक्का देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना में लड़की की मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लड़की का शव सोमवार को भयंदर नाले के ऊपर रेल पटरियों पर पाया गया। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि पहली सूचना एक यात्री से मिली, जो घटना का प्रत्यक्षदर्शी था। प्रत्यक्षदर्शी से मिली सूचना के आधार पर अर्जुन सोनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोनी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस हत्या के पीछे के मकसद की जांच कर रही है।

हर कश्मीरी मुसलमान को शक की निगाह से न देखें : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट मामले में शामिल सभी लोगों के लिए कड़ी सजा की वकालत की, लेकिन आग्रह किया कि बेगुनाह लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने कल उत्तरी क्षेत्र के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में भी यह मुद्दा उठाया था। केंद्रीय गृह मंत्री, केंद्रीय गृह सचिव, उत्तरी क्षेत्र के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल वहां मौजूद थे। मैंने उनसे अपील की कि वे जम्मू-कश्मीर के हर नागरिक, खासकर हर कश्मीरी मुसलमान को शक की निगाह से न देखें। उन्होंने नौगाम थाने में शुक्रवार को दुर्घटनावश विस्फोट में घायल हुए लोगों का हालचाल जानने के लिए यहां एक अस्पताल का दौरा करने के बाद यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटनावश हुए विस्फोट में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों से भी मुलाकात की और दुख की इस घड़ी में सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह कहा था कि दिल्ली विस्फोट के पीछे जो लोग हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए, लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया था कि जम्मू-कश्मीर की पूरी आबादी को आतंकवाद का समर्थक नहीं कहा जा सकता। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को विस्फोटकों से लदी एक कार में विस्फोट हुआ था, जिसे दक्षिण कश्मीर के पुलवामा का निवासी डॉ. उमर नबी चला रहा था। इस कार में हुए विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। अब्दुल्ला ने कहा कि इस मॉड्यूल में शामिल लोगों, खासकर दिल्ली विस्फोट में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कड़ी सजा दी जानी चाहिए, लेकिन बेगुनाह लोगों, जिनका इससे कोई संबंध नहीं है और जिन्होंने हमेशा हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई है, उन्हें इस दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र उनकी बातों पर ध्यान देगा। नौगाम विस्फोट का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसमें कई लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, इस घटना की वजह और यह कैसे हुआ यह पता लगाने के लिए जांच जारी है। मुझे उम्मीद है कि लोगों को जवाब मिल जाएगा, क्योंकि ऐसा नहीं होना चाहिए। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक यहां लाया गया, किन परिस्थितियों में इसे लाया गया और संग्रहीत किया गया, और इसे कैसे संभाला गया, इन सभी सवालों के जवाब हमें धीरे-धीरे मिलेंगे, लेकिन मैं उन सभी परिवारों के प्रति सहानुभूति और संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने परिजनों को खो दिया है। नौगाम में दुर्घटनावश विस्फोट में नौ लोग मारे गए जिनमें पुलिस विभाग के पांच कर्मी और चार आम लोग शामिल हैं। विस्फोट में 32 अन्य घायल हो गए।

नौगाम विस्फोट में कई सवालों के जवाब बाकी, गहन जांच की जरूरत: महबूबा मुफ्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। 'सफेदपोश' आतंकी साजिश मामले में कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों की व्यापक छापेमारी के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि किसी और की गलती की सजा आम लोगों को सामूहिक रूप से नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने नौगाम थाने में दुर्घटनावश हुए विस्फोट की गहन जांच की भी मांग की और कहा कि इस घटना से जुड़े कई सवालों के जवाब मिलना अभी बाकी हैं।

शुक्रवार को नौगाम विस्फोट में मारे गए पुलिस निरीक्षक शाह असरार के परिवार से उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मुलाकात के बाद महबूबा मुफ्ती ने कहा, ऐसा लगता है कि आने वाला समय कश्मीर के लिए भयावह हो सकता है। दिल्ली (लाल किला विस्फोट) में किसी की गलती की सजा जम्मू-कश्मीर के लोगों को सामूहिक रूप से नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर कोई दोषी है तो उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन आम कश्मीरी लोगों के साथ कठोरता नहीं बरती जानी चाहिए।

सिद्दरामय्या ने 'बेंगलूरु प्रौद्योगिकी सम्मेलन- 2025' का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने तीन प्रमुख नीतियां सूचना प्रौद्योगिकी नीति, स्पेसटेक नीति और स्टार्टअप नीति मंगलवार को पेश की। इसका मकसद राज्य को नवाचार और गहन प्रौद्योगिकी समाधान के लिए एक वैश्विक गंतव्य में बदलना है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि ''इससे भारत के अग्रणी प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति मजबूत होगी। कर्नाटक न केवल वैश्विक प्रौद्योगिकी क्रांति का हिस्सा बन रहा है, बल्कि इसका नेतृत्व भी कर रहा है।''

मुख्यमंत्री ने यह बात यहां कर्नाटक इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं बीटी विभाग और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) द्वारा आयोजित 'बेंगलूरु प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन' के 28वें संस्करण के उद्घाटन के दौरान कही। कर्नाटक के हमेशा नीतिगत नवाचार में भारत का नेतृत्व करने की बात का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने 1997 में भारत की पहली आईटी नीति शुरू की और नई नीतियों के साथ इस नेतृत्व को जारी रखा है।''

उन्होंने कहा, ''इस शिखर सम्मेलन में, हम तीन परिवर्तनकारी नीतियां कर्नाटक सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2025-2030, स्पेसटेक नीति 2025-2030 और स्टार्टअप नीति 2025-2030 पेश करने के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठा रहे हैं। इस डेटा-संचालित, उभरती हुई प्रौद्योगिकी-तैयार कर्नाटक सूचना प्रौद्योगिकी नीति के साथ हमारा लक्ष्य राज्य को नवोन्मेषण एवं गहन प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक गंतव्य में तब्दील करना है।'

' 'फ्यूचराइज' (भविष्य-उन्मुख) विषय पर आधारित तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, निवेशक, स्टार्टअप और नवप्रवर्तक...डीपटेक, बायोटेक और हेल्थटेक, सेमीकंडक्टर और स्टार्टअप इनोवेशन के क्षेत्र में उभरती संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक साथ आएंगे।

सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक अपनी स्थिरता एवं पारदर्शिता के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह, वैश्विक साझेदारी और बहुराष्ट्रीय निवेश के लिए भारत के शीर्ष राज्यों में से एक बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''यह परिवेश विश्वस्तरीय इंजीनियरिंग, पारदर्शी नीति, मजबूत आईपी संस्कृति और जीवंत वैश्विक समुदायों का मिश्रण है। हमारा कारोबारी माहौल शीर्ष स्तरीय कानूनी, वित्तीय और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता के साथ-साथ मजबूत वैश्विक संपर्क द्वारा समर्थित है।''

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, बड़े एवं मझोले उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल, आईटी मंत्री प्रियंक खरगे और बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार-शॉ और इन्फोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन जैसे उद्योग जगत के दिग्गज शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले गणमान्य लोगों में शामिल हैं। इसमें 80 से अधिक ज्ञान सत्र, 5,000 से अधिक 'क्यूरेटेड' बैठकें आयोजित की जाएंगी। 60 देशों सहित भारत के सभी 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी इसमें शिरकत करेंगे। इसके अलावा अग्रणी प्रौद्योगिकी राष्ट्रों अमेरिका, क्यूबा, उरुग्वे, रूस, ब्रिटेन, इजराइल, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, यूरोपीय संघ, दुबई, शारजाह, दक्षिण कोरिया, जापान, सिंगापुर और थाइलैंड के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल होंगे।

सरकार बेंगलूरु में बुनियादी ढांचे पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बेंगलूरु को लगातार विकसित होता ''शहर'' बताते हुए मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए शहर पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। बेंगलूरु विकास के प्रभारी मंत्री शिवकुमार 'बेंगलूरु प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन' के 28वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। एशिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी आयोजन माना जाने वाला यह सम्मेलन कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग तथा 'सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया' (एसटीपीआई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

शिवकुमार ने कहा, 'हम मानते हैं कि प्रौद्योगिकी, नवाचार और निवेश तभी फलते-फूलते हैं जब नींव मजबूत हो। इसलिए हमारी सरकार अभूतपूर्व गति से बुनियादी ढांचे में सुधार कर रही है।' उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि सरकार ने बेंगलूरु में कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें 42,500 करोड़ रुपये की लागत से 40 किलोमीटर लंबी दोहरी सुरंग परियोजना, 18,000 करोड़ रुपये की लागत से 41 किलोमीटर लंबी डबल-डेकर मेट्रो, 15,000 करोड़ रुपये की लागत से 110 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर, 5,000 करोड़ रुपये की लागत से 320 किलोमीटर लंबी सड़कें, 500 करोड़ रुपये की लागत से 'स्काईडेक' और 27,000 करोड़ रुपये की लागत से 74 किलोमीटर लंबा बेंगलूरु बिजनेस कॉरिडोर शामिल हैं।

उन्होंने कहा, हम बेंगलूरु शहर में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि बेंगलूरु के लिए एक और हवाई अड्डे की योजना तैयार की जा रही है। प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की सहायता और समन्वय के लिए कर्नाटक सरकार एक अलग एनआरआई सचिवालय शुरू कर रही है। उन्होंने कहा, हम एनआरआई के लिए आवासीय कॉलोनियां विकसित कर रहे हैं। बिदादी के पास 9,000 एकड़ में एक विश्वस्तरीय एआई सिटी' बनाई जा रही है। हम एक अंतरराष्ट्रीय परिसर भी बना रहे हैं, जहां दुनिया की बड़ी कंपनियों के दफ्तर होंगे।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने याद करते हुए कहा, आईटी मेला 1998 से कर्नाटक में आयोजित हो रहा है। यह एशिया का सबसे बड़ा आईटी कार्यक्रम है। पहली बार इसका आयोजन स्थल बेंगलूरु पैलेस से बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में स्थानांतरित हुआ है। मुझे याद है कि शहरी विकास मंत्री के रूप में मैंने ही बेंगलूरु पैलेस को आयोजन स्थल के रूप में अनुमति दी थी। उन्होंने बताया, कर्नाटक एक आईटी दिग्गज के रूप में संयोग से विकसित नहीं हुआ। सरकार और निजी क्षेत्र ने मिलकर इसे संभव बनाया है।

कर्नाटक देश में आईटी नीति लागू करने वाला पहला राज्य था। कर्नाटक आईटी मंत्रालय लागू करने वाला पहला राज्य था। उन्होंने आगे कहा, कैलिफ़ोर्निया में 13 लाख आईटी पेशेवर हैं, जबकि बेंगलूरु में 25 लाख। यह बेंगलूरु की ताकत को दर्शाता है। बेंगलूरु में 1.4 करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से 20 प्रतिशत आईटी पेशेवर हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि मौसम और संस्कृति के मामले में बेंगलूरु की बराबरी कोई शहर नहीं कर सकता। प्रौद्योगिकी और प्रतिभा को बेंगलूरु के दो प्रमुख स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि शहर की असली ताकत केवल उसके बुनियादी ढांचे या नीतिगत प्रोत्साहनों में नहीं, बल्कि उसके लोगों में है।

उपमुख्यमंत्री ने उद्योग जगत के दिग्गजों से अपील की कि वे कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने में सरकार की सहायता करें। उन्होंने कहा कि इस दिशा में आवश्यक नीतियां लाई जा रही हैं।

एयरोस्पेस मेडिसिन संस्थान आईएसएएम के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडियन सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएएम) 20-21 नवंबर 2025 को बेंगलूरु स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएएम) में अपना 64वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। वर्ष 1952 में स्थापित, यह भारत में एयरोस्पेस चिकित्सा के ज्ञान और अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एकमात्र पंजीकृत संस्था है। यह अद्वितीय और प्रमुख संस्थान देश के अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के मानवीय पहलुओं सहित सैन्य और नागरिक एयरोस्पेस चिकित्सा से संबंधित है।

अनुसंधान को आगे बढ़ाने, ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और एयरोमेडिकल चुनौतियों का समाधान खोजने के उद्देश्य से, आईएसएएम 1954 से अपना वार्षिक वैज्ञानिक सम्मेलन आयोजित कर रहा है। सम्मेलन के वर्तमान संस्करण का विषय 'एयरोस्पेस मेडिसिन में नवाचार: अनंत संभावनाएं' है, जो एविएटर्स की सुरक्षा और इष्टतम प्रदर्शन आवश्यकताओं को संतुलित करने में एयरोस्पेस मेडिसिन चिकित्सकों द्वारा अभिनव दृष्टिकोणों पर प्रकाश डालता है।

सम्मेलन का उद्घाटन 20 नवंबर को वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह करेंगे। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रतिभागियों में डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और इसरो के प्रमुख वैज्ञानिकों सहित संबद्ध संस्थानों के शोधकर्ता भी शामिल होंगे। मुख्य आकर्षण में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी स्मारक व्याख्यान शामिल हैं, जिसे एक उत्साही इतिहासकार अंचित गुप्ता द्वारा दिया जाएगा, और एयर वाइस मार्शल एमएम श्रीनागेश स्मारक व्याख्यान एयर वाइस मार्शल दीपक गौड़ (सेवानिवृत्त) द्वारा दिया जाएगा। सम्मेलन का एक अन्य महत्वपूर्ण व्याख्यान 'जेमी होर्मुसजी फ्रेमजी मानेकशॉ पैनल' है, जिसमें पिक्सल एयरोस्पेस टेक्नोलॉजीज के सीईओ और संस्थापक अवैस अहमद और इंडिगो एयरलाइंस के मुख्य उड़ान सुरक्षा अधिकारी कैप्टन ध्रुव रेब्बाप्रगदा सहित कई जाने-माने विशेषज्ञ अतिथि व्याख्यान देंगे। सम्मेलन में 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, तथा प्रतिनिधिगण मजबूत एजेंडा से भरपूर वैज्ञानिक चर्चाओं, प्रस्तुतियों और नेटवर्किंग अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं, जिनका उद्देश्य देश में एयरोस्पेस चिकित्सा अनुसंधान और नीति के भविष्य को आकार देना है।

सिद्दरामय्या ने एआई युक्त पर्सनल कंप्यूटर 'केईओ' को लांच किया

बेंगलूरु/भाषा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को केईओ' नाम से पर्सनल कंप्यूटर लांच किया जिसकी कीमत 18,999 रुपये रखी गई है। यह एक कॉम्पैक्ट, किफायती, एआई (कृत्रिम मेधा) तकनीक में सक्षम पर्सनल कंप्यूटर है जिसे पूरी तरह से राज्य में ही डिजाइन और विकसित किया गया है ताकि डिजिटल पहुंच की खाई को पाटा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि केईओ का अभिप्राय नॉलेज ड्राइवन (के), इकोनॉमिकल (ई) और ओपन सोर्स (ओ)'' से है जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर कृत्रिम मेधा युक्त कंप्यूटिंग को सुलभ और पूरे कर्नाटक में नागरिकों को सशक्त बनाना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और बीटी विभाग द्वारा केईओनिक्स (कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड) के सहयोग से विकसित केईओ का औपचारिक अनावरण मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस) 2025 के उद्घाटन सत्र में किया। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत का सबसे किफायती कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाला पर्सनल कंप्यूटर आधिकारिक तौर पर लांच कर दिया गया है। यह भारत में इस समय सबसे कॉम्पैक्ट, शक्तिशाली एआई उपकरण है और यह पूरी तरह से ओपन सोर्स पर आधारित है। दुनिया में कहीं भी आप 18,999 रुपये में ऐसा उपकरण नहीं बना सकते।'' इस कंप्यूटर के मूल्य निर्धारण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''जब हमने शुरुआत की थी, तो यह कम लागत वाली परियोजना थी। अब यह किफायती है। समस्या भू-राजनीति है - दुर्लभ खनिजों पर अमेरिका और चीन के रुख की वजह से मेमोरी की लागत बढ़ गई थी। अब यह कम हो रही है।'' उन्होंने कहा, ''हमने ताइवान और अमेरिका में भी कई लोगों से बात की है, और सभी का मानना है कि अब स्थिति सामान्य हो गई है। इसे स्थिर होने में कुछ महीने लग सकते हैं। एक बार स्थिति स्थिर हो जाए, तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि लागत भी कम हो। फिलहाल, यह किफायती है। आपको इतना शक्तिशाली एआई सक्षम उपकरण इस कीमत पर नहीं मिलेगा।''

खरगे के मुताबिक इंफोसिस के सह-संस्थापक क्रिस गोपालकृष्णन और बायोकॉन प्रमुख किरण मजूमदार-शॉ ने इस कंप्यूटर को देखा और वे बहुत प्रभावित हुए। मंत्री ने कहा, ''उन्होंने इसे खरीदने का ऑर्डर दे दिया है और वे इसे विद्यालयों के लिए प्रायोजित करेंगे।'' उन्होंने कहा कि ''इस उपकरण का निर्माण यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि प्रत्येक छात्र, इंजीनियर, निर्माता, नवप्रवर्तक और परिवार को न केवल शीर्ष स्तर पर, बल्कि जमीनी स्तर पर भी शक्तिशाली, बुद्धिमान कंप्यूटिंग तक पहुंच प्राप्त हो।''

खरगे ने रेखांकित किया कि 10 प्रतिशत से भी कम भारतीय परिवारों के पास कंप्यूटर हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में यह आंकड़ा मात्र 15 प्रतिशत है, जो आधुनिक शिक्षा और डिजिटल आजीविका के लिए आवश्यक स्तर से काफी कम है। उन्होंने कहा, हालांकि स्मार्टफोन व्यापक रूप से उपयोग में हैं, लेकिन अध्ययन बताते हैं कि शैक्षणिक कार्य, कोडिंग, ऑनलाइन कक्षाओं और हाइब्रिड शिक्षा के लिए कंप्यूटर आवश्यक हैं। प्रियंक ने बताया कि 60 प्रतिशत से अधिक भारतीय छात्रों ने बताया कि कंप्यूटर की कमी के कारण वे ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग नहीं ले पा रहे हैं, जो स्कूल छोड़ने की दर में वृद्धि का एक कारण है।

केओनिक्स के अध्यक्ष शरत कुमार बाचे गौड़ा ने कहा कि जापानी महिला उद्यमियों के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस उपकरण को देखा है और इसके वित्तपोषण में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा, ''केईओ अब हमारी वेबसाइट पर प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। हम विनिर्माण को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम मैसूरु और अन्य जगहों की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवा के लिए रोबोटिक्स आधारित विज़न इंटेलिजेंट इंजेक्शन सिस्टम

बेंगलूरु। बेंगलूरु प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में एक स्टॉल पर यह परियोजना स्वास्थ्य सेवा के लिए एक रोबोटिक्स-आधारित विज़न-गाइडेड इंटेलिजेंट इंजेक्शन सिस्टम का वर्णन करती है जो सटीक, सुरक्षित और न्यूनतम इनवेसिव इंजेक्शन के लिए शिरा दृश्यीकरण और क्लोज़्ड-लूप रोबोटिक नियंत्रण हेतु एक नियर-इन्फ्रारेड सेंसिटिव कैमरे का उपयोग करती है। यह सिस्टम अंतःशिरा पहुँच, विश्वसनीय शिरा स्थानीयकरण और सटीक सुई लक्ष्यीकरण जैसे अनुप्रयोगों के लिए अभिप्रेत है। इस सिस्टम का उद्देश्य शिरापंक्चर प्रक्रियाओं में मानवीय त्रुटि को कम करना, कठिन शिरा पहुँच वाले रोगियों में सफलता दर में सुधार करना और दूरस्थ या अर्ध-स्वायत्त नैदानिक ऑपरेशन को सक्षम बनाना है।

भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने यातायात कांस्टेबल की भूमिका निभाई

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ विधायक सुरेश कुमार ने मंगलवार को यातायात पुलिस कांस्टेबल की भूमिका निभायी और शहर के भाष्यम सर्किल पर व्यस्त समय में दो घंटे तक यातायात का प्रबंधन किया। कुमार ने इस अनुभव को अच्छा बताते हुए हर सोमवार को एक घंटे के लिए यातायात प्रबंधन में यातायात पुलिस की मदद करने का संकल्प लिया।

पूर्व मंत्री ने एक दिन के लिए यातायात पुलिस अभियान के तहत एक यातायात कांस्टेबल के रूप में ड्यूटी की। यह बेंगलूरु यातायात पुलिस द्वारा शुरू किया गया एक अभिनव प्रयोग है, जो नागरिकों को बीटीपी एस्ट्राम ऐप के माध्यम से पंजीकरण करके संबंधित थाने के अधिकारियों या कर्मचारियों के साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है। कुमार ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, ''एक दिन यातायात पुलिस कांस्टेबल के रूप में काम करके मुझे बहुत अनुभव प्राप्त हुआ और मुझे यह काम बहुत पसंद आया। बेंगलूरु यातायात पुलिस की यह पहल वाकई स्वागत योग्य है। आज सुबह राजाजी नगर के भाष्यम सर्कल पर व्यस्त समय के दौरान यातायात नियंत्रित करने का अनुभव अविस्मरणीय था।'' उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें उन्हें यातायात पुलिस जैकेट पहने और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ काम करते हुए, यातायात का प्रबंधन करते हुए, उनके साथ बातचीत करते हुए, सिग्नल नियंत्रण पोस्ट पर तैनात होते हुए और जंक्शन पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों से पूछताछ करते हुए देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''मैंने यातायात पुलिस से कहा है कि मैं हर सोमवार एक घंटे के लिए उनके साथ रहूंगा और यातायात प्रबंधन या नियंत्रण में उनकी मदद करूंगा।

प्रधानमंत्री मोदी पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में दिवंगत आध्यात्मिक गुरु सत्य साईं बाबा के शताब्दी समारोह में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ)के मुताबिक वह पुट्टपर्थी में सत्य साईं बाबा के आश्रम और 'महासमाधि' का भी दौरा करेंगे।

पीएमओ की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी सत्य साईं बाबा के जीवन, शिक्षाओं और स्थायी विरासत को सम्मान देते हुए एक स्मारक सिक्का और डाक टिकटों की एक शृंखला जारी करेंगे। वह कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी वहां से तमिलनाडु के कोयम्बटूर जाएंगे, जहां वे दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। तमिलनाडु में कार्यक्रम के दौरान, वह देश भर के नौ करोड़ किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। तमिलनाडु प्राकृतिक कृषि हितधारक मंच द्वारा 19-21 नवंबर तक दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

'दपरे' ने पुट्टपर्थी में शताब्दी समारोह के लिए व्यापक यात्रा व्यवस्था की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने भगवान श्री सत्य साईं बाबा के 100वें जन्म शताब्दी समारोह के दौरान प्रशांति निलयम में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक परिचालन और अवसंरचनात्मक उपाय लागू किए हैं। यात्री यातायात में संभावित वृद्धि को देखते हुए, रेलवे ने श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम तक निर्बाध कनेक्टिविटी के लिए बड़े पैमाने पर अतिरिक्त ठहराव, मार्ग परिवर्तन, ट्रेनों के विस्तार और विशेष सेवाओं की व्यवस्था की है। बैकलिट दिशात्मक संकेत, उन्नत यात्री सूचना प्रणाली, कोच इंडिकेशन बोर्ड और बेहतर जन संबोधन प्रणालियों के साथ यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। 31 शौचालय बूथ और 15 मूत्रालयों के साथ स्वच्छता अवसंरचना को मजबूत किया गया है, जबकि अतिरिक्त वाटर कूलर के साथ पेयजल सुविधाओं का विस्तार किया गया है। पुट्टपर्थी बस स्टैंड पर एक अतिरिक्त टिकट काउंटर, दो सहायता बूथ, एम-यूटीएस सेवाएँ और सहायकों ने यात्रियों की सुविधा में और सुधार किया है।

अधिकतम भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, 2,000 यात्रियों के लिए एक समर्पित होल्डिंग एरिया, बैरिकेडिंग वाली कतारें, अतिरिक्त फ्लडलाइटिंग और 500 से अधिक वाहनों के लिए विस्तारित पार्किंग की व्यवस्था की गई है। तीन कार्यालय कक्षों को अतिरिक्त प्रतीक्षालय में परिवर्तित किया गया है, और वृद्ध एवं दिव्यांग यात्रियों की सहायता के लिए सात व्हीलचेयर उपलब्ध हैं। अंतिम छोर तक सुगम कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय परिवहन अधिकारियों के साथ समन्वय भी मजबूत किया गया है।

महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने मंगलवार को इन तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रशांति निलयम स्टेशन का निरीक्षण किया और अधिकारियों को यात्री सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उनके साथ डीआरएम बेंगलूरु आशुतोष कुमार सिंह और दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बढ़ती यात्रा मांग को पूरा करने के लिए, श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम में 42 अस्थायी ठहराव प्रदान किए गए हैं। इनमें प्रशांति निलयम होकर जाने वाली 9 ट्रेनें और अतिरिक्त ठहरावों के साथ पेनुकोंडा-प्रशांति निलयम-धर्मावरम होकर जाने वाली 33 ट्रेनें शामिल हैं। ये ट्रेनें बेंगलूरु, मैसूर, नई दिल्ली, लखनऊ, कोयंबटूर, पुरी, गोरखपुर, रायपुर, ग्वालियर, अजमेर, जोधपुर आदि प्रमुख शहरों से चलती हैं, जिससे श्रद्धालुओं को व्यापक राष्ट्रीय संपर्क सुविधा मिलती है।

समारोह के दौरान कुल 33 ट्रेनों का मार्ग प्रशांति निलयम होकर परिवर्तित किया गया है। इससे व्यस्त मार्गों पर यातायात का बेहतर वितरण सुनिश्चित होता है और प्रशांति निलयम तक सीधी पहुँच बढ़ जाती है। इस क्षेत्र में यात्रा को और सुगम बनाने के लिए, कुछ ट्रेनों का अस्थायी रूप से गुंतकल और हिंदूपुर तक विस्तार किया गया है।

दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिणी रेलवे, पूर्वी तट रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे सहित प्रमुख भारतीय रेलवे ज़ोन ने भी विशेष ट्रेनों की एक श्रृंखला की घोषणा की है। ये ट्रेनें हैदराबाद, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर, शालीमार, चेन्नई, कोयंबटूर और तिरुनेलवेली जैसे शहरों को प्रशांति निलयम और येलहंका, बेंगलूरु कैंट और गुंतकल जैसे आस-पास के केंद्रों से जोड़ती हैं, जिससे श्रद्धालुओं के लिए पूरे भारत में पहुँच सुनिश्चित होती है।

'केनरा उत्सव' का हुआ आगाज, महिला उद्यमियों को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने सीएसआर पहल के तहत केनरा बैंक रिलीफ एंड वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से मंगलवार को केनरा उत्सव का आगाज किया। कार्यक्रम का उद्घाटन बैंक के मुख्य महाप्रबंधक बी शंभूलाल ने यहां सेवाक्षेत्र-मातृछाया परिसर में किया। उन्होंने बैंक द्वारा की गईं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

केनरा बैंक रिलीफ एंड वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष प्रकाश माल्या ने कहा कि यह महोत्सव पिछले 12 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। इससे महिला उद्यमियों, महिला स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को मंच मिल रहा है। महिला उद्यमियों कमलम्मा, विनुता और डोरेट क्रिस्टाबेल को सम्मानित किया गया। बता दें कि केनरा उत्सव 22 नवंबर तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर बैंक के उप महाप्रबंधक दलबीर सिंह ग्रोवर ने भी विचार व्यक्त किए। डीएस आनंदमूर्ति ने स्वागत भाषण दिया। केएसएस कामथ ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में प्रेमा रत्नाकर, श्रीधर सगबल, एसटी रामचंद्र, शंकर गोरैया, राजश्री सतीश, शीला कामथ, ब्रिजूशा बल, सुमंगला और कई लोग मौजूद थे।

अरब सागर से सीधे जुड़ेगा राजस्थान, जालोर में बनेगा इनलैंड पोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मरु प्रदेश राजस्थान अब समुद्री रास्ते से भी औद्योगिक विकास, व्यापार और आर्थिक समृद्धि का सफर तय करेगा। इसमें जालोर जिला कच्छ की खाड़ी के जरिए अरब सागर से सीधे जुड़ेगा। इसके लिए जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर-वे) तैयार करने की कवायद शुरू हो गई है। केंद्र और राज्य सरकार के मध्य बेहतर समन्वय से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में यह निर्माण एक ऐतिहासिक परिवर्तनकारी साबित हो सकेगा। यहां से उद्योग, लॉजिस्टिक्स, रोजगार और जलमार्ग कनेक्टिविटी के नए युग की शुरुआत होगी। राजस्थान समुद्री राज्यों में शामिल होते हुए लॉजिस्टिक पावरहाउस बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

इनलैंड पोर्ट निर्माण को लेकर गत माह मुम्बई में राजस्थान रिवर बेसिन एवं जल संसाधन आयोजना प्राधिकरण और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, केन्द्र सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत गुजरात और राजस्थान में ड्रेजिंग से अरब सागर से जालोर को जोड़ा जाएगा। इसके जरिए राजस्थान समुद्री कनेक्टिविटी के नए युग में प्रवेश करेगा। जवाई-लूनी-रन ऑफ कच्छ नदी प्रणाली को राष्ट्रीय जलमार्ग-48 घोषित होने के बाद जालोर में इनलैंड पोर्ट (वाटर-वे) विकसित करने की दिशा में यह सबसे बड़ा कदम है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना में राजस्थान प्रत्यक्ष रूप से कांडला पोर्ट (कच्छ) से जुड़ जाएगा। अभी जालोर तक जलमार्ग बनाने के लिए रास्तों पर अध्ययन किया जा रहा है। इसमें भवातरा-नवलखी मार्ग कांडला क्रिक (लगभग 262 कि.मी.) मार्ग भी शामिल है। एमओयू के अनुसार, ड्रेजिंग में 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय होगी।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि जलमार्ग की डीपीआर पर भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग विकास प्राधिकरण, नेशनल टेक्नोलॉजी फॉर पोर्ट, वाटर-वे एंड कोस्ट, आईआईटी मद्रास और जल संसाधन विभाग द्वारा सर्वे किया जा रहा है। इसमें वर्षभर जल की उपलब्धता, परियोजना के लिए जमीन और अनुमानित लागत पर गहन अध्ययन हो रहा है। फील्ड स्टडी के लिए आईआईटी मद्रास से विशेषज्ञ जल्द ही राजस्थान आएंगे। वहीं, जल संसाधन विभाग राजस्थान, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण और आईआईटी मद्रास के बीच नियमित संवाद के जरिए परियोजना की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

रावत ने बताया कि लूनी-जवाई बेसिन और जालोर-बाड़मेर क्षेत्र में कपड़ा, पत्थर, कृषि उत्पाद, ऑयलशीड, ग्वार, दालें व बाजरा जैसी बड़ी ट्रेडिंग गतिविधियां होती हैं। साथ ही, रिफाइनरी परियोजना भी नजदीक ही है। समुद्री कनेक्टिविटी मिलने से उद्योगों का विस्तार तेजी से बढ़ेगा। कार्गो का बड़ा हिस्सा जलमार्ग से होने से सड़क और रेल पर भार कम होगा। रावत ने बताया कि माल ढुलाई क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। भारी एवं बड़े आकार के माल की आवाजाही सरल होगी, जिससे नई इंडस्ट्री स्थापित होने के रास्ते खुलेंगे। साथ ही, वेयर हाउसिंग, पोर्ट सेवाएं, कोल्ड स्टोरेज और इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होंगे।

पर्यटन प्री-सम्मिट में फिल्म से लेकर ग्रामीण पर्यटन तक कई विषयों पर होगी चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रवासी राजस्थानी दिवस के पूर्व आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आयोजित हो रहे पर्यटन प्री-सम्मिट में राजस्थान को वर्ष भर चलने वाले पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और पहचान दिलाने की रणनीति पर चर्चा होगी। इस प्री-सम्मिट के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सम्बोधन होगा, वहीं विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री व पर्यटन तथा कला एवं संस्कृति मंत्री श्रीमती दियाकुमारी होंगी।

उद्घाटन सत्र में केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय में अपर सचिव सुमन बिल्ला भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इनके साथ ही राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश यादव और पर्यटन आयुक्त सुरुक्मणी रियार का सम्बोधन भी होगा।

इस अवसर पर राजस्थान की नई पर्यटन नीति और फिल्म पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए फिल्म पर्यटन संवर्धन नीति जारी किए जाने की सम्भावना भी है। प्री-सम्मिट में उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न विषय विषेशज्ञ राजस्थान में पर्यटन के विकास और वर्ष भर चलने वाले पर्यटन स्थल के रूप में इसकी वैश्विक पहचान बनाने की रणनीति पर अपने सम्बोधन देंगे। इसके तहत प्रसिद्ध फिल्म और टीवी अभिनेता राजीव खंडेलवाल बताएंगे कि कैसे फिल्में राजस्थान को एक पर्यटन स्थल के रूप में बढावा दे सकती हैं। वहीं ईज माय ट्रिप कम्पनी की अध्यक्ष सुप्रीति सत्यनारायण राजस्थान को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढावा देने के लिए डिजीटल मार्केटिंग रणनीतियों पर चर्चा करेंगी। वहीं लाली होमस्टे की सह निर्माता सु देवयानी भटनागर राजस्थान में होमस्टे पर घरेलू पर्यटन वृद्धि के बारे में अपने विचार व्यक्त करेंगी। इनके अलावा क्लाक्रस ग्रुप ऑफ होटल्स के एमडी अपूर्व कुमार पर्यटन और निवेश के अवसरों के माध्यम से आर्थिक विकास पर चर्चा करेंगे।

कुल मिला कर यह पर्यटन प्री-सम्मिट प्रवासी राजस्थानी दिवस सम्मेलन में पर्यटन सेक्टर पर होने जा रहे सेक्टरोल सत्र की नींव तैयार करेगा ताकि उस सत्र में राजस्थान में पर्यटन विकास पर और सार्थक चर्चा हो सके।

मुख्यमंत्री और नए मुख्य सचिव की शिष्टाचार भेंट

जयपुर/दक्षिण भारत । नवनियुक्त मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। कागज़ों में इसे भले शिष्टाचार भेंट कहा गया हो, लेकिन प्रशासनिक गलियारों में यह वह अहम मोड़ माना जाता है जहां सरकार और नौकरशाही अपने नए अध्याय की रूपरेखा तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री के लिए यह अवसर था नए मुख्य सचिव की कार्यशैली और उनकी प्राथमिकताओं को समझने का। वहीं वी. श्रीनिवास के लिए यह मुलाकात सरकार की विकास योजनाओं और शासन की दिशा का पहला संकेत थी। हल्के व्यंग्य में कहें तो तस्वीरों में मुस्कान भले सौम्य रही हो, लेकिन भीतर दोनों तरफ़ दिमाग़ आने वाले महीनों की रणनीति पर तल्लीनता से काम कर रहा थाकौन-सा विभाग प्राथमिकता पर, किन योजनाओं की रफ्तार तेज़ होनी है और किन फाइलों की धूल झाड़नी है। हालांकि मुलाकात का सकारात्मक संदेश स्पष्ट हैसरकार और प्रशासन के बीच तालमेल को नए सिरे से मजबूत करने का यह शुरुआती संवाद आने वाले समय में तेज़ फैसलों और परिणामों की जमीन तैयार करता हुआ दिखाई देता है।

12वीं के छात्र से यौन उत्पीड़न के आरोप में साथियों के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर में एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले 17 वर्षीय छात्र का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में तीन साथी विद्यार्थियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित भी किया गया। पुलिस के मुताबिक, छात्र को कथित तौर पर पीटा गया, निर्वस्त्र किया गया और उसके साथ अश्लील हरकतें की गईं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी छात्र पीड़ित के साथ उसी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ते हैं। पुलिस के मुताबिक, चूंकि पीड़ित नाबालिग है इसलिए सोमवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। पीड़ित के रिश्तेदार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना अक्टूबर में उस समय हुई थी, जब छात्र स्कूल से घर लौट रहा था और रास्ते में तीनों आरोपी विद्यार्थियों ने उसे रोक लिया तथा खाने-पीने की एक दुकान पर ले जाकर उसकी पिटाई की व उसे धमकाया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसे लात-घूंसे मारे गए व बेसबॉल के बल्ले से पीटा गया।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, पिटाई के दौरान छात्र एक बार भागने में कामयाब रहा लेकिन बाद में उसे पकड़कर उसके साथ अश्लील हरकतें की गईं। शिकायत में बताया गया कि लड़के से उठक-बैठक भी करवाई गई और माफी भी मंगवाई गई। रिश्तेदार ने शिकायत में यह भी कहा कि उसने इस मामले की जानकारी स्कूल प्रबंधन को दी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि स्टाफ ने उसे प्रिंसिपल से मिलने भी नहीं दिया।

कर्मचारियों के लिए चिकित्सा सुविधाओं के विकास और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में मंगलवार को कर्मचारी राज्य बीमा निगम , राजस्थान क्षेत्र की 93वीं बैठक स्वास्थ्य भवन, जयपुर में आयोजित की गई। खींवसर ने ईएसआईसी के माध्यम से पॉलिसीधारकों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, बीमारी, स्थायी अपंगता, आश्रितजन को सहायता तथा बेरोजगारी भते आदि के संबंध में जानकारी ली तथा दिशा-निर्देश प्रदान किये।

चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों से निगम द्वारा संचालित स्त्री योजना तथा एमनेस्टी (आम माफी) योजना के संबंध में भी जानकारी ली।

बैठक में ई.एस.आई.सी. मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जयपुर के मानव संसाधन व सुविधा विस्तार तथा संस्थान के 10 से 12 किलोमीटर के दायरे में 5 से 7 एकड़ भू-खण्ड उपलब्ध करवाने की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त कर्मचारी राज्य बीमा योजना द्वारा संचालित औषधालयों के मानव संसाधन व सुविधा विस्तार, ईएसआईसी सोसायटी के गठन पर भी चर्चा की गई। राज्य के उन क्षेत्रों की पहचान तथा सुविधा विस्तार पर भी विचार किया गया, जहाँ वर्तमान में ईएसआई औषधालय उपलब्ध नहीं है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल एवं उद्यमिता, रोजगार विभाग संदीप वर्मा एवं निगम की क्षेत्रीय परिषद के सदस्य नियोजक प्रतिनिधि, कर्मचारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भ्रामक प्रचार रोकने के लिए मीडिया फैक्ट चेक और तकनीक का प्रयोग करें : राजीव शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंटरनेट पर तेज़ी से बढ़ रहे डीप फेक और फ़ेक न्यूज़ की चुनौती से निपटने के लिए इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) हैदराबाद और राजस्थान पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी के नालंदा सभागार में मीडियाकर्मियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य मीडिया और पुलिस को एआई टूल्स की मदद से ऑनलाइन प्रसारित भ्रामक सामग्री को पहचानने और रोकने के तरीकों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महानिदेशक पुलिस राजीव शर्मा ने कहा कि आज के दौर में पुरानी घटनाओं को नई के रूप में प्रस्तुत कर चंद सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुँचाया जाता है। उन्होंने इनफॉर्मेशन वॉर के टूल के रूप में फ़ेक न्यूज़ के कारण क़ानून और व्यवस्था बिगड़ने, मानसिक प्रताड़ना और फ़ाइनेंशियल फ्रॉड जैसी घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि देश में 9 मिलियन से अधिक इंटरनेट यूज़र हैं, जिनमें से 34 प्रतिशत सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और अक्सर झूठी ख़बरों पर निर्भर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि 18 से 24 वर्ष के युवाओं को इस संबंध में जनजागरूकता की सबसे अधिक ज़रूरत है। डीजीपी ने मीडिया से ब्रेकिंग न्यूज़ देने की जल्दबाज़ी में फैक्ट चेक (तथ्य जाँच) करने की अपील की, क्योंकि एक ग़लत न्यूज से बड़ा नुक़सान हो सकता है। उन्होंने मीडिया को भी तकनीक का इस्तेमाल करने और किसी भी स्तर पर शंका होने पर पुलिस के साथ मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। उनका ज़ोर था कि मीडिया और पुलिस अलर्ट रहे और भ्रामक प्रचार को रोकने के लिए मिलकर प्रयास करे ताकि सच्चाई ही आम जन तक पहुंचे और आईटी का इस्तेमाल अच्छे कामों में हो सके।

इस कार्यशाला का आयोजन राजस्थान पुलिस अकादमी के ऑडिटोरियम भवन में किया गया। इसमें मीडियाकर्मियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों ने भाग लिया। इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस की तरफ़ से वरिष्ठ फैकल्टी प्रोफेसर मनीष गंगवार, मेजर विनीत कुमार समेत लगभग 10 सदस्यों की टीम ने मीडियाकर्मियों को डीप फेक की पहचान के लिए एआई टूल्स के उपयोग पर प्रशिक्षित किया।

डीजी साइबर क्राइम व लॉ एंड आर्डर संजय अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वीके सिंह, महानिरीक्षक पुलिस अजय पाल लांबा, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप, एसपी राशि डोगरा, शांतनु सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

'पीएम किसान सम्मान निधि' योजना की 21वीं किस्त आज जारी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 'पीएम किसान सम्मान निधि' योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे जबकि इसी तरह के कार्यक्रम सभी जिलों में होंगे। बयान में बताया गया कि योजना के तहत राज्य के 66.62 लाख किसानों को 1332.40 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। बयान के मुताबिक, प्रति किसान दो हजार रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। बयान में बताया गया कि इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है और अब तक योजना में 20 किश्तों के माध्यम से 3.91 लाख करोड़ की राशि भेजी जा चुकी है। राजस्थान में किसानों को अतिरिक्त राहत प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना लागू है, जिसके अंतर्गत 'पीएम किसान सम्मान निधि योजना' के सभी पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है।

न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस नीचे

जयपुर। राजस्थान में सर्दी ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है जहां अनेक जगह न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। बीती रात राज्य के अधिकतर भागों में न्यूनतम तापमान 05.0 से 13.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा जो सामान्य से लगभग 3-4 डिग्री सेल्सियस कम है। इस दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 05.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं 24 घंटे में अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं आया।

कांग्रेस नेताओं ने किसानों के मुद्दे को लेकर ट्रैक्टर रैली निकाली

जयपुर। कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां और पार्टी के कई अन्य नेताओं तथा बड़ी संख्या में किसानों ने सोमवार को किसानों के मुद्दे को लेकर चूरू में ट्रैक्टर रैली निकाली। कांग्रेस नेताओं ने ट्रैक्टर मार्च के साथ जयपुर कूच का आह्वान किया था। लेकिन पुलिस ने रैली को चूरू के रतनपुरा में रोक दिया। बाद में, कस्वां के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में राज्य के कृषि मंत्री से मुलाकात की। सैकड़ों ट्रैक्टरों वाले इस मार्च में चूरू विधायक नरेंद्र बुडानिया, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और कई स्थानीय नेता शामिल हुए। कस्वां ने कहा कि चूरू और पूरे राजस्थान में किसान गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने विशेषकर 500 करोड़ रुपये के खरीफ-2021 फसल बीमा दावों को खारिज किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने फसल बीमा प्रणाली में विसंगतियों का आरोप लगाया। सांसद ने डीएपी और यूरिया जैसे उर्वरकों की कमी और कालाबाजारी, एमएसपी टोकन वितरण में अनियमितताओं से किसानों को हो रही परेशानी की बात की। बाद में, कस्वां और अन्य नेता जयपुर पहुंचे तथा कृषि मंत्री किरोड़ी मीणा के साथ बैठक कर अपनी मांगों पर चर्चा की।

तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का 1 से 7 दिसबंर तक : टी. रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि विभाग द्वारा तैयार किये जा रहे तुलाई कांटों के कम्प्यूटराइज मोड्यूल का आगामी 1 से 7 दिसबंर तक जयपुर और उदयपुर के दो-दो तुलाई कांटों पर परीक्षण संचालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षण संचालन के दौरान आने वाले अनुभवों को देखते हुए वेब्रीज मोड्यूल को अंतिम रुप देते हुए इस साल के अंत तक चरणवद्ध तरीके से प्रयोग में लाना आरंभ कर दिया जाएगा। पहले चरण में सीमेंट, आयरन ऑर व इसी तरह की बड़ी माइनिंग लीजों को इसके दायरें में लाया जाएगा। प्रमुख सचिव माइंस मंगलवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा, प्रोजेक्ट से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तुलाई कांटों को धरातल से उंचा बनाया जाएगा ताकि सही तुलाई हो सके। इससे व्यवस्था के पारदर्शी होने के साथ ही लीजधारकों को भी आये दिन होने वाली असुविधा व विवादों से राहत मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए विभागीय वेबसाइट पर वेण्डर्स की सुझावात्मक सूची भी उपलब्ध कराई जाएगी ताकि संबंधित संस्था वेण्डर्स से सीधा संवाद कायम करते हुए विभाग द्वारा तैयार किए गए मॉड्यूल के सपोर्टिंग आवश्यक उपकरणों की खरीद कर सके। टी. रविकान्त ने कहा कि विभाग चरणवद्ध तरीके से पूरी व्यवस्था को पेपरलेस बनाने जा रहा है इससे लीजधारकों को भी अनावश्यक रुप से विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य स्तर पर जयपुर और उदयपुर में कमाण्ड सेंटर भी विकसित किया जाएगा जहां से तुलाई कांटों की ऑनलाईन निगरानी भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि वेब्रीज और व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम लागू होने से व्यवस्था और अधिक पारदर्शी हो जाएगी और इससे खानधारकों को भी लाभ होगा।

अतिरिक्त निदेशक डीएमजीओएमएस शीतल अग्रवाल ने साफ्टवेयर व अन्य तैयारी प्रगति से विस्तार से अवगत कराया। सीएमएस के वीपी विनय दुबे ने विस्तार से मॉड्यूल के संबंध में जानकारी दी। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एरियल सर्वे सुनील वर्मा व अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम पर व्यापक चर्चा

जयपुर/दक्षिण भारत। सेंट्रल डिटेक्टिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट , जयपुर ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से 17 और 18 नवंबर को एक महत्वपूर्ण दो दिवसीय अंतर-एजेंसी राज्य सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सम्मेलन का केंद्रीय विषय महिला एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम से संबंधित एनसीएल प्रावधान एवं मिशन वात्सल्य की भूमिका था। सीडीटीआई जयपुर के निदेशक डॉ. अमनदीप सिंह कपूर (आईपीएस) ने बताया कि इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, विशेषज्ञ, बाल संरक्षण कर्मी, अभियोजन अधिकारी और डब्ल्यूसीडी विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

पहले दिन 17 नवंबर को नए आपराधिक कानून और मिशन वात्सल्य सम्मेलन के उद्घाटन में निदेशक सीडीटीआई ने नए आपराधिक कानूनों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपराधों की जाँच में बाल-अनुकूल प्रक्रियाओं, संवेदनशीलता और मल्टी-एजेंसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन वात्सल्य को बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत करने वाला एक प्रभावी राष्ट्रीय कार्यक्रम बताया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. मीना शर्मा ने सुरक्षित समाज के लिए पुलिस, मीडिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया। तकनीकी सत्रों के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ सलाहकार जुनैद उल इस्लाम ने एसजेपीयू, बाल कल्याण संरचनाओं की भूमिकाओं और पोक्सो कानून के नवीन केस लॉ पर विस्तार से जानकारी दी। संयुक्त निदेशक आईटी चंदकिरण चोकर ने वात्सल्या पोर्टल की उपयोगिता और चुनौतियों पर सत्र लिया, डॉ. संगमित्रा बारिक ने देशभर में मिशन वात्सल्या के तहत लागू उत्कृष्ट प्रथाओं को प्रस्तुत किया। सेवानिवृत्त अतिरिक्त निदेशक अभियोजन अब्दुल समद चिश्ती ने एनसीएल से जुड़े महिला और बाल सुरक्षा प्रावधानों की विस्तृत चर्चा की। अंत मे साइबर विशेषज्ञ योगेश राव ने ऑनलाइन शोषण, साइबर अपराध प्रवृत्तियों और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

सम्मेलन के दूसरे दिन 18 नवंबर की शुरुआत जुनैद उल इस्लाम की एनसीआरबी-2023 में दर्ज बच्चों से संबंधित अपराध प्रवृत्तियों पर डेटा-आधारित प्रस्तुति से हुई। जगदीश प्रसाद (उप निदेशक, डब्ल्यूसीडी जयपुर) ने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं और पुलिस पहलों की जानकारी दी। डॉ. शिप्रा माथुर (वरिष्ठ मीडिया विशेषज्ञ) ने अपराध रोकथाम में मीडिया की भूमिका, नैतिक रिपोर्टिंग और जन-जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस महत्वपूर्ण चर्चा में जुनैद उल इस्लाम, डॉ. के.के. कुमावत, डॉ. शिप्रा माथुर और डॉ. संगमित्रा बारिक ने भाग लिया।

एसएससी परीक्षा के अभ्यर्थियों ने दूसरे दिन भी निकाली रैली, विरोध जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले लोगों में शामिल और शिक्षक बनने के इच्छुक करीब 100 अभ्यर्थी मंगलवार को दूसरे दिन भी राज्य शिक्षा विभाग के मुख्यालय के पास सड़कों पर उतरे और साक्षात्कार के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची में अपना नाम नहीं होने को लेकर विरोध जताया।

उच्चतम न्यायालय ने अप्रैल में पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से वर्ष 2016 में चयनित अभ्यर्थियों की सूची को अमान्य करार दिया था जिसके बाद एसएससी ने 14 सितंबर को एक भर्ती परीक्षा आयोजित की थी। न्यायालय ने चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी पाए जाने के बाद सरकारी और सहायता प्राप्त संस्थानों के लगभग 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नौकरियों को

रद्द कर दिया था। एसएससी ने 15 नवंबर को 20,500 उम्मीदवारों की एक सूची प्रकाशित की, जिनका राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 11 और 12 के रिक्त पदों को भरने के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों में से एक और 'योग्य शिक्षक अधिकार मंच' के प्रवक्ता चिन्मय मंडल ने करुणामयी बस अड्डे से साल्ट लेक स्थित शिक्षा विभाग के मुख्यालय विकास भवन तक रैली का नेतृत्व किया, जहां पुलिस ने उन्हें रोक लिया और वाहनों में बिठाकर दूसरी जगह ले गए। मंडल वर्ष 2016 में चयनित 'बेदाग' शिक्षकों में शामिल थे और जिन्हें भर्ती परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई थी, लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे, लेकिन साक्षात्कार के लिए बुलाए गए 20,500 अभ्यर्थियों की सूची में उनका नाम नहीं था। 'बेदाग' उम्मीदवार वे हैं जिनकी 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं में संलिप्तता साबित नहीं हुई। मंडल ने कहा, ''अब हम क्या करेंगे? मुख्यमंत्री ने बेदाग शिक्षकों को हिम्मत न हारने का आश्वासन दिया था। उन्होंने वर्ष 2016 की एसएससी परीक्षा में मेरिट के आधार पर नौकरी पाने वाले शिक्षकों के लिए प्लान ए, बी या सी के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि सरकार जरूरी कदम उठाएगी।''

बिहार: पिता को 'गंदी किडनी' देने का आरोप लगाने वालों को रोहिणी ने दी खुली बहस की चुनौती

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने मंगलवार को उन लोगों की कड़ी आलोचना की जिन्होंने उन पर अपने बीमार पिता को 'गंदी किडनी' देने का आरोप लगाया था और उन्हें इस मुद्दे पर उनसे खुली बहस की चुनौती दी। आचार्य ने इन लोगों से 'लालू जी के नाम पर' जरूरतमंद लाखों मरीजों को अपनी किडनी दान करने का भी आह्वान किया।

राजद की चुनावी हार के बाद रोहिणी ने रविवार को आरोप लगाया था कि उन्हें गालियां दी गईं और यह कहकर बदनाम किया गया कि उन्होंने अपने पिता को दी गई गंदी किडनी के बदले करोड़ों रुपए और पार्टी टिकट लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि तेजस्वी यादव के करीबी लोगों ने उन्हें माता-पिता के घर से निकाल दिया। रोहिणी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, जो लोग लालू जी के नाम पर कुछ करना चाहते हैं, वे झूठी हमदर्दी दिखाना बंद करें। वे आगे आकर उन लाखों गरीब मरीजों के लिए अपनी किडनियां दान करें, जो अस्पतालों में आखिरी सांस गिन रहे हैं। लालू जी के नाम पर किडनी दान कर दें। सिंगापुर में रह रहीं 47 वर्षीय रोहिणी ने कहा, जो लोग पिता को किडनी देने वाली एक विवाहित बेटी को गलत कहते हैं, उनमें हिम्मत है तो खुले मंच पर उस बेटी से खुली बहस करें। उन्होंने कहा कि जो लोग बेटी की किडनी को गंदी कहते हैं, वे जरूरतमंदों को किडनी दान करने वाले सबसे पहले व्यक्ति बनें। रोहिणी ने पोस्ट में लिखा, हरियाणवी महापुरुष करें, चमचे पत्रकार करें और वे हरियाणवी भक्त व ट्रोल समर्थक करें, जो मुझे गाली देने से थकते नहीं। 'हरियाणवी' टिप्पणी संभवतः राज्यसभा सांसद संजय यादव पर तंज था, जो तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं। रोहिणी ने पूछा, जिनका खून एक बोतल खून देने के नाम से सूख जाता है, वे किडनी दान पर प्रवचन देते हैं? उन्होंने वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह एक पत्रकार पर चिल्लाती हुई नजर आईं, जिसने उनके बारे में ऐसी टिप्पणी कथित तौर पर की थी। रोहिणी ने अपने पोस्ट में तेजस्वी के एक और करीबी सहयोगी रमीज का भी उल्लेख किया, जो कथित तौर पर समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद रिजवान जहीर के दामाद हैं।

राष्ट्रीय एकता को बाहरी और आंतरिक दोनों ताकतों से खतरा हो सकता है: राज्यपाल

शिलांग/भाषा। मेघालय के राज्यपाल सीएच विजयशंकर ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय एकता को बाहरी और आंतरिक दोनों तरह की ताकतों से खतरा हो सकता है और देश की अखंडता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राजभवन में एक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने मेघालय की सांस्कृतिक विविधता की सराहना की और कहा कि एकता का अर्थ एकरूपता नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति के लिए मिलकर काम करते हुए मत भिन्नता का उत्सव है। उन्होंने लोगों से मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया और आशा व्यक्त की कि एकता की भावना राष्ट्र को अनवरत शांति और विकास की ओर ले जाएगी।

मणिपुर में सरकारी अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को मणिपुर में एक सरकारी अधिकारी को कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया और आरोपी के परिसर की तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के प्रयास के तहत उसने जाल बिछाया और एक फाइल को आगे बढ़ाने के लिए 10,000 रुपए की 'रिश्वत लेते हुए अधिकारी को रंगे हाथों पकड़ लिया'। सीबीआई ने कहा कि आरोपी, एक वरिष्ठ लेखाकार है और उसने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से 20,000 रुपए की मांग की थी। बयान में कहा गया है कि जांच जारी है और आरोपी अधिकारी के परिसर की तलाशी ली जा रही है।

'ठग दुल्हन' गिरफ्तार, पुलिस अधिकारियों-बैंक प्रबंधकों से शादी कर ब्लैकमेल करने का आरोप

कानपुर/भाषा। शादी के नाम पर अधिकारियों को मोहपाश में फंसाकर ब्लैकमेल करने के आरोप में दिव्यांशी (38) को मंगलवार को कानपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 'ठग दुल्हन' दिव्यांशी बैंक प्रबंधकों, पुलिस अधिकारियों और अन्य सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाती थी। ग्वालटोली थाने में तैनात उपनिरीक्षक आदित्य कुमार लोवच ने अपनी पत्नी दिव्यांशी के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, धोखाधड़ी और मानसिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। आदित्य ने शिकायत में बताया कि शादी (17 फरवरी 2024) के तुरंत बाद दिव्यांशी बार-बार यूपीआई ऐप डिलीट करती थी और ड्यूटी के दौरान रुपए मांगती थी।

शिकायत में अधिकारी ने आरोप लगाया कि संदेह होने पर जब उसके फोन की जांच की तो 10 से अधिक खातों में करोड़ों रुपए के लेन-देन का पता चला, जिनमें कई सेवारत पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। पुलिस उपायुक्त (मध्य) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि दिव्यांशी ने दो बैंक प्रबंधकों और दो पुलिसकर्मियों से शादी की तथा एक दर्जन से अधिक लोगों का शोषण किया। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला संबंध बनाकर शादी करती थी और फिर दुष्कर्म या उत्पीड़न के झूठे मुकदमे दर्ज कराकर रुपए ऐंठती थी। अधिकारी ने बताया कि दिव्यांशी के बैंक खातों में आठ करोड़ रुपए से अधिक के संदिग्ध लेन-देन मिले हैं, जिनमें मेरठ रेंज के पुलिस अधिकारियों के भी नाम हैं। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में सामने आया कि आरोपी महिला ने पहले भी तीन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ दुष्कर्म के झूठे मुकदमे दर्ज कराए थे, जिनमें बाद में समझौता हो गया। अधिकारी ने बताया कि कई अन्य प्राथमिकियां भी झूठी पाई गईं। पुलिस को संदेह है कि कुछ पुलिसकर्मी उसकी मदद कर रहे थे या पीड़ितों पर समझौते का दबाव डाल रहे थे। अधिकारी ने बताया, यह एक संगठित गिरोह है। डिजिटल और वित्तीय सबूतों की पुष्टि के बाद और गिरफ्तारियां होंगी। फिलहाल जांच जारी है और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

भारत, स्लोवेनिया की आर्थिक रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने पर नजर : राजदूत मेनसिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत में स्लोवेनिया के राजदूत टोमाज मेनसिन ने मंगलवार को कहा कि भारत और स्लोवेनिया अपने आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए तैयार हैं। आगामी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और हरित प्रौद्योगिकी एवं औषधि जैसे क्षेत्रों में सहयोग से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। मेनसिन ने यहां उद्योग मंडल मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) में अपने संबोधन में कहा कि दोनों देशों ने पहले ही चिकित्सा उपकरणों के उत्पादन में सहयोग करने का निर्णय लिया है।

राजदूत ने बयान में कहा, ''दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि होने की उम्मीद है। भारतीय दूतावास सक्रिय है और सहयोग के नए आयाम विकसित कर रहा है।'' मध्य यूरोपीय देश के राजदूत ने हरित प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक एवं परिवहन, औषधि और सूचना प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख क्षेत्रों का जिक्र किया, जो स्लोवेनिया में निवेशकों और कंपनियों के लिए काफी संभावनाएं प्रदान करते हैं। मेनसिन ने कहा, ''स्लोवेनिया लगभग 20 लाख लोगों की आबादी वाला देश है और प्रति व्यक्ति आय 35,000 यूरो है। यहां आय असमानता कम है। यूरोपीय संघ का सदस्य होने के नाते, स्लोवेनिया की अर्थव्यवस्था मजबूत है।'' एमसीसीआई की विदेश व्यापार परिषद के चेयरमैन अरुण कुमार गरोडिया ने कहा कि हरित प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक एवं परिवहन, औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, पर्यटन और शिक्षा आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में काफी संभावनाएं हैं।

नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे : सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने बिहार के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर अटकलों को खारिज करते हुए विश्वास जताया कि विधानसभा चुनाव में राजग की जीत के बाद नीतीश कुमार पद पर बने रहेंगे। केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने आश्चर्य जताया कि मुख्यमंत्री के नाम को लेकर कोई ''भ्रम'' क्यों है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी प्रक्रिया होती है और राजग भी बिहार के मुख्यमंत्री को चुनने के लिए बैठकें करेगा। भाजपा के नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''पता नहीं ये क्यों भ्रम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम चुनाव लड़े। आगे भी नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे, लेकिन उसकी प्रक्रिया है।''

भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया। पार्टी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यादव ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग में लापरवाही चरम पर है और स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, जनता लाचार हैं।

यादव ने यह भी आरोप लगाया कि औरैया में 420 बेड के मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का भी स्टॉफ नहीं हैं और अमेठी में प्रतिबंध के बावजूद चिकित्सक मरीजों को बाहर की दवाएं लिख रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पीलीभीत जिला

महिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच के लिए एक महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बजट की लूट और भ्रष्टाचार चरम पर है लेकिन सरकार किराए पर चल रहे तमाम स्वास्थ्य केन्द्रों का महीनों से किराया नहीं दे पा रही है।

उन्होंने कहा कि बजट के रुपयों की बंदर बांट हो रही है, सामानों के खरीद में कमीशन खोरी हो रही है, स्वास्थ्य सेवाओं के बजट का बुरा हाल है, राजधानी लखनऊ के बड़े अस्पतालों में भी गंभीर मरीजों को बेड और वेन्टीलेटर के लिए भटकना पड़ता है। यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों में हजारों की संख्या में चिकित्सक, नर्स और अन्य तकनीकी स्टाफ के पद खाली हैं।

उन्होंने कहा कि नौ साल से प्रदेश में भाजपा सरकार है लेकिन चिकित्सकों की कमी पूरी नहीं कर पाई और अस्पतालों व मेडिकल कॉलेज में संसाधनों का अभाव है।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि मरीज और उनके तीमारदार अस्पतालों में भटकते रहते हैं, उन्हें जांचों के लिए सप्ताह से लेकर महीनों का इंतजार करना पड़ता है।

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कुशासन के परिणामस्वरूप हुई मौतों का कोई हिसाब नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी यह जानती है कि जनता मरे या जिए प्रशासन की मदद से बेईमानी कर चुनाव जीत या हथिया लिया जाएगा।

एसआईआर लोकतंत्र को खत्म करने का मंसूबा, भाजपा के लिए काम कर रहा है निर्वाचन आयोग : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच मंगलवार को आरोप लगाया कि यह लोकतंत्र को खत्म करने का एक मंसूबा है तथा निर्वाचन आयोग (ईसी), भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए काम कर रहा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में फैसला किया गया कि एसआईआर के विषय पर दिल्ली के रामलीला मैदान में दिसंबर के पहले सप्ताह में रैली आयोजित की जाएगी।

पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में खरगे ने उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की, जहां मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद जारी है। इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ साथ कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता तथा सचिव भी शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय पर हुई जब कांग्रेस को हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है और उसने कथित वोट चोरी के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। सूत्रों का कहना है कि बैठक के दौरान एसआईआर की कवायद को लेकर सवाल खड़े किए और कहा कि इसका राजनीतिक, संगठनात्मक एवं कानूनी रूप से मुकाबला किया जाना चाहिए।

बैठक के बाद खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमने उन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के एआईसीसी महासचिवों, एआईसीसी प्रभारियों, पीसीसी, सीएलपी और एआईसीसी सचिवों के साथ एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा की, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया जारी है।'' उनका कहना था कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की शुचिता की रक्षा के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास पहले से ही कम हो रहा है, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है। आयोग को साबित करना होगा कि वह भाजपा की छाया में काम नहीं कर रहा है और उसे अपनी संवैधानिक शपथ और भारत के लोगों के प्रति निष्ठा याद है, किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति नहीं।'' खरगे ने कहा, ''हमारा दृढ़ विश्वास है कि भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर प्रक्रिया को हथियार बनाने का प्रयास कर रही है। यदि निर्वाचन आयोग इसे नजरअंदाज करता है, तो वह विफलता सिर्फ प्रशासनिक नहीं है। वह संलिप्तता है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए हमारे कार्यकर्ता, बीएलओ और जिला/शहर/ब्लॉक अध्यक्ष लगातार सतर्क रहेंगे। हम वास्तविक मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को शामिल करने के हर प्रयास का पर्दाफाश करेंगे, चाहे वह कितना भी सूक्ष्म क्यों न हो।'' बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस की प्रदेश इकाइयों में आम धारणा यह है कि निर्वाचन आयोग जानबूझकर समाज के कुछ वर्गों के वोट खत्म करने की कोशिश कर रहा है। एसआईआर प्रक्रिया का मूल उद्देश्य कुछ को लक्षित करके उनके नाम मतदाता सूची से हटाना है। हमने बिहार में भी ऐसा देखा है और अब वे इसे 12 राज्यों में लागू करने की योजना बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि आयोग ने सोमवार को असम के लिए एक अलग विशेष पुनरीक्षण (एसआर) की घोषणा की, जिसमें बीएलए की कोई भूमिका नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह चुनाव आयोग द्वारा इस देश में लोकतंत्र को खत्म करने का एक मंसूबा है। उसका कदम अनैतिक और अलोकतांत्रिक है।''

विश्व भारती परिसर की इमारत में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। शांति निकेतन में विश्व भारती परिसर में स्थित भाषा भवन में मंगलवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इस केंद्रीय विश्वविद्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि पहली मंजिल पर भवन के बाहर लगे एक एसी में कक्षा शुरू होने से ''काफी पहले चिंगारियां दिखीं, और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों ने कुछ ही मिनटों में इस पर काबू पा लिया।''

सूत्रों ने बताया कि दमकल की एक गाड़ी को घटनास्थल पर भेजा गया और अग्निशमन कर्मियों ने सुबह लगभग साढ़े नौ बजे कक्षाएं शुरू होने से पहले आग पर काबू पा लिया। सूत्रों ने बताया कि आग भाषा भवन की पहली मंजिल पर लगी थी।

विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उस हिस्से का बिजली कनेक्शन बंद कर दिया। प्रवक्ता ने बताया कि अग्निशमन विभाग द्वारा गहन जांच के बाद कोई खतरा न होने का संकेत दिए जाने के बाद इमारत में कक्षाएं फिर से शुरू हो गईं और प्रभावित हिस्से में बिजली कनेक्शन बहाल कर दिया गया है।

शांति भंग करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी।

पश्चिमी त्रिपुरा के तकरजाला में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल सितंबर में दो प्रतिबंधित समूहों, एनएलएफटी और एटीटीएफ के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद राज्य में स्थायी शांति बहाल हो गई है। उन्होंने कहा, ''भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने 800 करोड़ रुपए की लागत से राज्य के 12 स्थानों पर ब्रू शरणार्थियों को बसाकर 23 साल से चल रहे ब्रू शरणार्थी संकट का भी समाधान किया है। अब हम स्थायी आजीविका के लिए उनके कौशल को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं।'' यह बताते हुए कि सरकार स्वदेशी लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है, मुख्यमंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्य के बजट का 39 प्रतिशत 'त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद' (टीटीएएडीसी) को आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा, ''राज्य का कुल बजट 32,000 करोड़ रुपए का है। इसमें से लगभग 40 प्रतिशत मूल निवासियों के कल्याण के लिए आदिवासी परिषद को आवंटित किया गया है। इसके अलावा, आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं (ईएपी) के तहत राज्य ने कर्ज लिया है।'' साहा ने यह भी कहा कि भाजपा राज्य के विकास में पूर्व राजपरिवार के योगदान के लिए उनका सम्मान करती रही है और इसके गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए कार्यशील है।

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं, मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : भाकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाज़ी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है।

भाकर ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, '' मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो।'' तेईस साल की यह पिस्टल निशानेबाज 'एएसएमआईटीए (महिलाओं को प्रेरित करके खेल जगत में उपलब्धि हासिल करना)' के सोशल मीडिया हैंडल के लॉन्च पर बोल रही थी। भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

सुविधाओं से वंचित बाल मजदूर पटनायक ने पुरी के तट को ही बना दिया कैनवास

मुंबई/भाषा। दुनिया भर में रेत कलाकार के रूप में ख्याति प्राप्त सुदर्शन पटनायक ने जिंदगी की शुरुआत एक बाल मजदूर के तौर पर की जो रंग और ब्रश खरीदने में असमर्थ था लेकिन अपनी जिजीविषा से ओडिशा के पुरी समुद्र तट के विशाल किनारों को अपने कैनवास में तब्दील कर दिया।

मुंबई में पु. ला. देशपांडे कला अकादमी में आयोजित अपनी नवीनतम प्रदर्शनी में, पद्म श्री पुरस्कार विजेता ने 50 से अधिक मिश्रित कलाकृतियों में प्रकृति को श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसमें उन्होंने रंगों और रेत को मिलाने की दुर्लभ तकनीक का उपयोग किया है। उनके काम में नीले, पीले और मिट्टी के रंगों का प्रभुत्व है, जिसमें रेत और टिशू पेपर के साथ बनावट का सम्मोहक मिश्रण दिखता है। पुरी समुद्र तट पर अपनी शानदार रेत कलाकृतियों के लिए दुनिया भर में मशहूर पटनायक कहते हैं, ''मैंने

रेत और रंगों की जुगलबंदी की है। मैं इन दोनों माध्यमों, से अपने अतीत और वर्तमान, को एक साथ मिलाना चाहता था।'' पटनायक (48) ने अपने अतीत को याद करते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 10 साल की उम्र में बाल मज़दूरी करते हुए, वह अपनी मामूली कमाई रंगों और ब्रशों पर खर्च कर देते थे। लेकिन वह अपनी इस आदत को बरकरार नहीं रख पाए और जल्द ही पुरी समुद्र तट की रेत ने उनका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया, और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सुविचार

मनुष्य को जीवन में त्याग की भावना रख कर जीवन यापन करना चाहिए। रामकृष्ण परमहंस का यहां कहने का तात्पर्य यह है कि जीवन में कुछ भी स्थाई नहीं है। व्यक्ति को यह चीज पहले से स्वीकार कर लेनी चाहिए, अन्यथा उसे अपनी चीजें खोने की सदैव चिंता सताती रहेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैकाले की सोच को विदा करें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थॉमस मैकाले द्वारा भारत पर थोपी गई गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पाने के लिए जो आह्वान किया है, वह अत्यंत प्रासंगिक है। अगर यह काम आज़ादी के तुरंत बाद हो जाता तो आज देशवासियों का जीवन बहुत खुशहाल होता। मैकाले वह शख्स था, जिसने भारत में ब्रिटिश साम्राज्यवाद की जड़ें मजबूत करने के लिए ऐसा षड्यंत्र रचा था, जिसके शिकार बड़े-बड़े बुद्धिजीवी हो गए। उसने शिक्षा प्रणाली में सुधार के नाम पर ऐसे तौर-तरीकों को बढ़ावा दिया, जो समस्याओं का समाधान नहीं करते, बल्कि नई समस्याएं पैदा करते हैं। उसके निर्देश पर जो पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया, उसका निष्कर्ष यह निकलता है कि अंग्रेजों ने गुलामी थोपकर बड़ा उपकार किया था। आज भी कई लोग यह कहते मिल जाएंगे- 'अगर अंग्रेज भारत में नहीं आते तो यहां न बिजली आती, न ट्रेन आती और न ही वैज्ञानिक विकास होता।' यह कैसी सोच है? क्या जिन देशों पर कभी अंग्रेजों ने राज नहीं किया, वहां आज बिजली नहीं है, ट्रेन नहीं है? क्या वहां वैज्ञानिक विकास नहीं हुआ? यह मैकाले द्वारा थोपी गई मानसिकता का नतीजा है कि कई लोग पश्चिम के हर दोषपूर्ण विचार को सही मानते हैं। उन्हें लगता है कि पश्चिम के अंधानुकरण का मतलब है- विकास। प्राचीन गुरुकुलों में विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों का ज्ञान प्रदान करने के साथ स्वतंत्र चिंतन करना सिखाया जाता था। शास्त्रार्थ की परंपरा को बढ़ावा दिया जाता था। मैकाले की शिक्षा प्रणाली ने रट्टू तोता बनाने पर जोर दिया। उसने ब्रिटिश साम्राज्यवाद का पोषण करने वाले शासकों और अधिकारियों को महान साबित करने के लिए पूरा जोर लगाया था।

प्रख्यात विचारक स्व. राजीव दीक्षित ने अपने कई व्याख्यानों में मैकाले और उसके चेलों का कच्चा चिट्ठा खोला था। भारत में जिस तरह संयुक्त परिवारों को नष्ट किया गया, पुश्तैनी धंधों को तबाह किया गया, गांवों को उजाड़कर पलायनवाद को प्रोत्साहन दिया गया, सात्विक खानपान की जगह तामसिक पदार्थों का महिमामंडन किया गया - इन सबके तार मैकाले द्वारा थोपी गई सोच से मिलते हैं। भारत के ऋषि-मुनि दूरदर्शी थे। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के लिए जो सिद्धांत दिए थे, उनके पीछे गहरी वैज्ञानिक सोच थी। उनका सही-सही पालन करने वाला व्यक्ति सुखी रहता है। उसके जीवन में रोग, दु:ख, अभाव आदि कम ही आते हैं। उदाहरण के लिए, ऋषियों ने पशुधन रखने पर बहुत जोर दिया था। जो परिवार पशुपालन करता है, उसे सूर्योदय से पहले उठना ही पड़ता है। उसके सदस्यों को शुद्ध दूध-घी मिलता है। खेत को गोबर से बनी खाद मिलती है। इससे मिट्टी उपजाऊ रहती है। उस मिट्टी में उपजा अन्न स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। पूरा परिवार किसी-न-किसी रूप में लाभान्वित होता है। ज्यादा पशुधन रखने वाले लोगों के पास लड़ाई-झगड़े और अनावश्यक गतिविधियों के लिए समय ही नहीं होता। मैकाले ने लोगों में ऐसी सोच को बढ़ावा दिया कि 'पशुपालन कोई काम नहीं है, गोबर एक गंदगी है! युवाओं को अपना भविष्य खेत-खलिहान और पशुधन को बेचकर शहर की नौकरी में तलाशना चाहिए। अगर प्रकृति के विरुद्ध दिनचर्या अपनाएंगे और तामसिक आहार करेंगे तो आधुनिक कहलाएंगे!' इसका नतीजा सबके सामने है। देश में हर साल नई-नई समस्याएं पैदा हो रही हैं। पहले, भारत में लोग 'तलाक' शब्द बोलना भी पाप समझते थे। आज परिवार टूटते जा रहे हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान भारत के ऋषि-मुनियों के चिंतन एवं दर्शन में निहित है। अंग्रेज चले गए। अब मैकाले की सोच को भी विदा करें।

ट्वीटर टॉक

कांग्रेस सरकार के समय नया कॉलेज या नया कोर्स शुरू करने पर विद्या संबल योजना से पढ़ाने हेतु अध्यापक एवं किराये पर या पूर्व में खाली किसी सरकारी इमारत में अध्यापन काम शुरू किया जाता था। भाजपा सरकार बिना काम किए ही बजट घोषणा की पूर्ति दिखा रही है।

-अशोक गहलोत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों की यात्रा, चरित्र निर्माण से राष्ट्र निर्माण तक का एक अनूठा उदाहरण है। हर आपदा और संकट में सबसे पहले पहुँचने वाले स्वयंसेवक 'राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय, इदं न मम' के पावन मंत्र को सजीव करते हैं - यही संघ की आत्मा है।

-भजनलाल शर्मा

पर्यटन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, गुणवत्ता तथा विकास कार्यों की गति की समीक्षा की। अधिकारियों को राज्य की सांस्कृतिक एवं धरोहरों को संरक्षित करने व विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने हेतु निर्देशित किया।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

कर्म ही भाग्य

एक धनी व्यक्ति मंदिर में पूजा करने गया। जब उसने मंदिर के बाहर अपने महंगे जूते उतारे, तो उसे चिंता हुई कि कहीं कोई उन्हें चुरा न ले। उसी समय उसकी नजर एक भिखारी पर पड़ी, जो मंदिर के बाहर बैठा था। धनी व्यक्ति ने उससे कहा, 'भाई, ज़रा मेरे जूतों का ध्यान रखना, जब तक मैं पूजा करके लौटूं।' भिखारी ने सिर हिलाकर हामी भर दी। मंदिर के अंदर पूजा करते समय, वह व्यक्ति सोचने लगा'हे भगवान! आपने ये संसार कितना असमान बनाया है। किसी के पास इतना धन है कि वो पैरों में भी हज़ारों के जूते पहनता है, और किसी के पास दो वक्त की रोटी तक नहीं।' मन में भावुक होकर उसने सोचा, 'बाहर जाकर इस भिखारी को सौ रुपये दूंगा। शायद इससे उसे थोड़ी राहत मिले।' लेकिन जब वह पूजा करके बाहर निकला, तो वहां न तो उसके जूते थे, और न ही भिखारी। वह ठगा-सा महसूस करने लगा। थोड़ी देर इंतज़ार किया, पर भिखारी लौट कर नहीं आया। निराश होकर वह नंगे पांव घर की ओर चल पड़ा। रास्ते में उसने देखा कि फुटपाथ पर एक व्यक्ति पुराने जूते-चप्पल बेच रहा था। वहां उसे अपने वही महंगे जूते दिखाई दिए।

सामयिक

नवदृष्टि का समय : बदलाव की राह अपने बच्चों से

डॉ प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

समाज परिवर्तन की सबसे कठिन, सबसे लंबी और सबसे महत्त्वपूर्ण यात्रा हमेशा अपने मूल में उन छोटे-छोटे बीजों से शुरू होती है, जिन्हें हम बच्चे कहते हैं। दुनिया की कोई भी क्रांति-विचारों की हो, नैतिकता की हो, तकनीक की हो या इंसानी मूल्यों की-तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह अगली पीढ़ियों के जीवन-दर्शन में अपनी जड़ें न जमा ले। यही कारण है कि बुद्ध, विवेकानंद, गांधी, टैगोर, नेल्सन मंडेला जैसे विचारकों ने मानव सभ्यता में किसी स्थायी परिवर्तन के लिए शिक्षा, संस्कार और बाल मानस की संवर्धन को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना। आज जब समाज अनेक स्तरों पर मूल्य-संकट, हिंसा, असहिष्णुता, उपभोक्तावाद, कट्टरता और सामाजिक विघटन की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो उठता है-क्या हम अपने बच्चों को वह दृष्टि दे पा रहे हैं, जिसके आधार पर वे वर्तमान से बेहतर भविष्य बना सकें? बच्चों के भीतर समाज को देखने का दृष्टिकोण केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं बनता, बल्कि परिवार, परिवेश, विचारों, संवाद, उदाहरणों और सबसे अधिक-व्यस्कों के व्यवहार से बनता है। बच्चा, दरअसल, समाज का सबसे संवेदनशील दर्पण होता है। जिस प्रकार की भाषा, सोच, सह-अस्तित्व, सामाजिक व्यवहार, संवेदनशीलता और दृष्टि वह अपने आस-पास देखता है, वही धीरे-धीरे उसके भीतर किसी अनलिखी किताब की तरह अंकित हो जाती है। यही कारण है कि यदि हम समाज को बदलना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने व्यवहार, अपने पारिवारिक वातावरण और अपने सामाजिक आचरण को बदलना होगा-क्योंकि बच्चा वही बनता है, जो वह देखता है; वही नहीं बनता, जिसे वह सुनता है।

आज के समय में बच्चों के सामने समाज को समझने के दो बड़े स्रोत मौजूद हैं-एक परिवार, दूसरा डिजिटल दुनिया। दुर्भाग्य यह है कि दोनों में से किसी में भी वह स्पष्ट और संतुलित दृष्टि नहीं मिल पाती, जिसकी उसे आवश्यकता है। परिवारों में संवाद कम हो गया है, समय घट गया है और साथ बैठने की संस्कृति लगभग लुप्त होती जा रही है। वहीं डिजिटल दुनिया बच्चों को सूचना का असीमित सागर तो देती है, परंतु विवेक और दिशा का दीपक नहीं देती। ऐसे में बच्चे जानकारी तो बहुत पा लेते हैं, परंतु समझ की कमी के कारण वह जानकारी उनके भीतर भ्रम, असुरक्षा और अव्यवस्थित दृष्टिकोण पैदा कर देती है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम बच्चों को समाज को देखने के लिए एक ऐसी दृष्टि दें जो संवेदनशील हो, विवेकपूर्ण हो, वैज्ञानिक हो, नैतिक हो और सबसे अधिक-मानवतावादी हो। बच्चा यदि सीख जाए कि समाज केवल भीड़ नहीं, बल्कि व्यक्तित्वों का एक जीवंत तानाबाना है; कि हर व्यक्ति की अपनी

आज यदि हम उनके भीतर सत्य, न्याय, संवेदना, समानता, विज्ञान, विवेक और मानवीय मूल्यों के बीज बोते हैं, तो कल वे उसी समाज की फसल काटेंगे। अंततः बात फिर उसी सिद्धांत पर आकर खड़ी होती है-समाज को बदलने के लिए सर्वप्रथम हमें अपने बच्चों को समाज को देखने का नया ष्टिकोण प्रदान करना होगा।

संघर्ष-कथा है; कि हर निर्णय का कोई संदर्भ होता है; और कि सहानुभूति किसी भी सभ्यता का सबसे बड़ा आधार है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि समाज को भी बेहतर दिशा देगा।

समाज परिवर्तन का यह बीज तभी पनप सकता है जब हम अपने बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में बच्चों को प्रश्न पूछने से अधिक उत्तर रटने की आदत डाली जाती है। जबकि सच्चा ज्ञान, सच्चा चिंतन और सच्ची प्रगति वहीं से जन्म लेती है जहाँ प्रश्नों की स्वतंत्रता होती है। यदि बच्चा अपने घर, स्कूल और समाज में यह महसूस करे कि वह निडर होकर प्रश्न कर सकता है, विचार व्यक्त कर सकता है, असहमति जता सकता है, और गलतियों से सीख सकता है-तो उसके भीतर रचनात्मकता और मौलिकता विकसित होती है। यही रचनात्मकता समाज को आगे ले जाती है। समाज को देखने का नया दृष्टिकोण बच्चों को तभी मिलेगा जब हम उन्हें विविधता को स्वीकार करना सिखाएँ। आज के समय में विभाजन, ध्रुवीकरण और एकांगी सोच के कारण समाज के भीतर खाईयाँ बढ़ रही हैं। बच्चे स्कूलों में साथ पढ़ते हैं, खेलते-कूदते हैं, लेकिन बड़े होने पर अक्सर उन दीवारों को अपना लेते हैं जो समाज ने खड़ी की होती हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों को यह समझाएँ कि विविधता समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि वह यह समझ जाए कि हर संस्कृति, हर भाषा, हर परंपरा, हर विचार और हर व्यक्ति समाज की सामूहिक पहचान का हिस्सा है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि वह उन दीवारों को भी तोड़ पाएगा जो नफरत और संकीर्णता खड़ी करती हैं।

समाज बदलने की इस प्रक्रिया में शिक्षा प्रणाली की भूमिका निर्णायक है। शिक्षा केवल परीक्षा पास कराने का साधन नहीं हो सकती; वह बच्चों को जीवन और समाज को समझने की कला भी सिखाए। उन्हें यह बताया जाए कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि इंसानियत, सत्यनिष्ठा, सहयोग, साहस और संवेदनशीलता से भी मापी जाती है। यह भी समझाया जाए कि समाज केवल लिए जाने की चीज़ नहीं, बल्कि कुछ देने की जिम्मेदारी भी है। जब बच्चा अपने जीवन में 'कर्तव्य' का भाव समझता है, तभी वह समाज के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है।

बच्चों को नई दृष्टि देने के लिए पहला कदम है-उन्हें सही आदर्श देना। आदर्श का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े व्यक्तित्व नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में ऐसे छोटे-छोटे उदाहरण भी हैं, जो उनके व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालते हैं। जैसे-किसी भूखे को भोजन देना, किसी बुज़ुर्ग की सहायता करना, प्रकृति की रक्षा करना, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता रखना, सत्य बोलना, स्त्री-पुरुष समानता मानना, जाति-भेद समाप्त करना और कानून का सम्मान करना। जब बच्चा यह सब अपने घर और समाज में जीवन्त रूप में देखता है, तब उसमें भी वैसा ही चरित्र-विकास होता है। बच्चों में यह दृष्टि विकसित करने के लिए सबसे आवश्यक है-उन्हें स्वयं सोचने देना, स्वयं अनुभव करने देना, स्वयं सीखने देना। बच्चों पर अपनी सोच थोप देना समाज परिवर्तन का मार्ग नहीं, बल्कि समाज को जड़ता में बाध्य करने का तरीका है। यदि बच्चा स्वयं यह अनुभव करे कि समाज में समस्याएँ हैं और उन्हें बदलना संभव है, तो उसके भीतर यथार्थ की समझ और परिवर्तन का साहस जन्म लेता है।

बच्चों को नया दृष्टिकोण देना मतलब यह नहीं कि हम उन्हें आदर्शवादी कल्पनाओं में जीने दें। बल्कि उन्हें यह समझाना है कि समाज जटिल है, समस्याएँ वास्तविक हैं, लेकिन समाधान भी संभव हैं। उन्हें चुनौतियों को स्वीकार करना सिखाना है। उन्हें यह बताना है कि प्रगति के रास्ते संघर्ष से होकर गुजरते हैं, और यह कि उनके छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। यदि हम आने वाली पीढ़ियों को यह समझा पाएं कि समाज कोई बाहरी व्यवस्था नहीं, बल्कि हम सभी' की सामूहिक चेतना है-तो समाज को बदलने की यह यात्रा सशक्त और सफल हो सकती है। बच्चे वही समाज बनाएँगे, जो हम आज उनके भीतर बोएँगे।

आज यदि हम उनके भीतर सत्य, न्याय, संवेदना, समानता, विज्ञान, विवेक और मानवीय मूल्यों के बीज बोते हैं, तो कल वे उसी समाज की फसल काटेंगे। अंततः बात फिर उसी सिद्धांत पर आकर खड़ी होती है-समाज को बदलने के लिए सर्वप्रथम हमें अपने बच्चों को समाज को देखने का नया दृष्टिकोण प्रदान करना होगा। यह दृष्टिकोण न केवल उनके भविष्य को उजाला देगा, बल्कि हमारे समाज की सामूहिक चेतना को भी नए क्षितिजों तक ले जाएगा। क्योंकि बच्चा केवल परिवार की आशा या राष्ट्र का भविष्य ही नहीं होता-वह वह दीपक है, जिसकी रोशनी से आने वाले समय का मार्ग प्रकाशित होता है।

नजरिया

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन और माई नेशन नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

उपेक्षित संवेदनाओं और अनदेखे संघर्षों का सच

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। दुनिया के 30 से अधिक देशों में यह दिवस मनाया जा रहा है। यह केवल पुरुषों का उत्सव नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक परिदृश्य में उनकी स्थिति, संघर्षों और मनोभावों को समझने का मौक़ा है। जैसे स्त्रियाँ वर्षों से असमानता, उपेक्षा और अन्याय के बोझ से जूझती रही हैं, वैसे ही आज पुरुष भी कई स्तरों पर अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। वे भी दबाव, अवसाद और सामाजिक पूर्वाग्रहों का सामना कर रहे हैं। दुर्भाग्य यह है कि पुरुषों की पीड़ा, उनके संघर्ष और उनकी संवेदनाएँ उतनी चर्चा का विषय नहीं बनते, जितना कि वे बनना चाहिए। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि समाज केवल स्त्रियों से ही नहीं, पुरुषों से भी बनता है और किसी एक की उपेक्षा पूरे संतुलन को बिगाड़ देती है। 2025 के लिए इस दिवस की थीम पुरुषों और लड़कों का उत्सव' है।

आज का पुरुष बदलते समय के साथ एक दोहरी चुनौती से जूझ रहा है-एक ओर उससे पारंपरिक भूमिकाओं को निभाने की अपेक्षा की जाती है, दूसरी ओर नये सामाजिक ढाँचों में भावनात्मक रूप से अधिक संवेदनशील, सहयोगी और सहचर होने का दबाव है। संघर्ष यह है कि इस परिवर्तन में उसकी पीड़ा, द्वंद्व और टूटन को गंभीरता से नहीं सुना जाता। उसे मजबूत, कठोर और समस्यारहित मान लेने का भ्रम उसकी वास्तविक जरूरतों को छिपा देता है। यही कारण है कि आधुनिक पुरुष स्वयं को कई बार दोयम दर्जे की स्थिति में पाता है-एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे समाज ज़िम्मेदारी तो देता है, पर अधिकार और संवेदना नहीं। पुरुषों पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी भी चिंताजनक है। घरेलू हिंसा, झूठे मुक़दमे, अभिभावकत्व के अधिकारों से वंचित होना, मानसिक प्रताड़ना, कार्यस्थलों पर उत्पीड़न-ये सब वास्तविक समस्याएँ हैं, जिन्हें अक्सर मज़ाक या अतिशयोक्ति कहकर टाल दिया जाता है। पुरुष के दर्द को मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी रूढ़ि निगल जाती है। जबकि सच यह है कि भारत में पुरुष भी आत्महत्या, अवसाद और मानसिक दबाव के शिकार बन रहे हैं। कई रिपोर्टों में यह तथ्य सामने आया है कि अवसाद और आत्महत्या के मामलों में पुरुषों की संख्या महिलाओं की तुलना में अधिक है, पर इस पर चर्चा समाज की प्राथमिकता नहीं बनती। यह उपेक्षा न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज के संतुलन को खतरे में डालने वाली भी है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं।

प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

समाज हमेशा पुरुष से अपेक्षा करता है कि वह परिवार की रीढ़ बने, आर्थिक व भावनात्मक उत्तरदायित्व निभाए, कठिनाई में ढाल की तरह खड़ा रहे। लेकिन जब वही पुरुष कमज़ोर पड़ता है, टूटता है, या न्याय चाहता है, तो वह उपेक्षित कर दिया जाता है। पुरुष को यह अधिकार मिलना ही चाहिए कि वह अपनी पीड़ा कह सके, अपने अधिकारों की रक्षा कर सके और गलत आरोपों से मुक्त हो सके। जैसे महिलाओं के लिए सुरक्षा और न्याय के तंत्र बनाए गए, वैसे ही पुरुषों के लिए भी कुछ संवेदनशील और न्यायपूर्ण व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है। यह समझना आवश्यक है कि पुरुष समाज के निर्माण का अभिन्न हिस्सा है-वह पिता है, पति है, पुत्र है, भाई है, मित्र है। उसकी उपस्थिति के बिना किसी भी परिवार या समाज की कल्पना अधूरी है। वह जिम्मेदारियों से भरा हुआ व्यक्ति है, लेकिन इसी वजह से वह सबसे अधिक दबाव और अपेक्षाओं का भार उठाता है। यह भी सच है कि पुरुष ही समाज के विकास, विज्ञान, कला, परिश्रम और संरचना के बड़े हिस्से का वाहक रहा है। लेकिन इस योगदान के बावजूद, आज पुरुषों की समस्याओं के प्रति संवेदना बढ़ाने की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस का संदेश यही है कि महिलाओं के समान ही पुरुषों की भी गरिमा, सुरक्षा, सम्मान और संवेदनाओं की रक्षा की जानी चाहिए। लैंगिक समानता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों पर बने अनुचित पूर्वाग्रहों को भी तोड़ना है। एक स्वस्थ, संतुलित समाज वही है जिसमें दोनों लिंगों की समस्याओं को समान रूप से सुना और समझा जाए। पुरुषों को कठोरता की बेड़ियों से मुक्त कर, उनके भावनात्मक अस्तित्व को स्वीकार करना समय की मांग है। पुरुष दिवस हमें जागरूक करता है कि सह-अस्तित्व, सहयोग, संवाद और करुणा ही पुरुष-स्त्री के संबंधों का वास्तविक आधार हैं। पुरुष और स्त्री एक-दूसरे के विरोधी नहीं, पूरक हैं। इसलिए उनकी समस्याओं, अधिकारों और जिम्मेदारियों को भी पूरक दृष्टि से ही देखा जाना चाहिए। जब समाज पुरुष की पीड़ा को भी उतनी ही गंभीरता से सुनेगा, जितनी वह स्त्री के आर्तनाद पर देता है, तभी हम सच्चे अर्थों में संतुलित और मानवीय समाज का निर्माण कर पाएँगे।

महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन और माई नेशन नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि यह पुरुष को उसके वास्तविक स्वरूप में देखने, समझने और सम्मान देने का अवसर देता है-एक ऐसे मानव के रूप में, जो जिम्मेदार भी है, संवेदनशील भी; जो मजबूत भी है, पर टूट भी सकता है; जो देता ही नहीं, पाने की भी अपेक्षा रखता है।

पुरुष की इस नई समझ के बिना मानवीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चर्चाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

एक्सिओम-4 मिशन के अनुभवों का अध्ययन गगनयान मिशन के लिए किया जा रहा : शुभांशु

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के इंजीनियर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक्सिओम-4 मिशन के दौरान उनके अनुभवों का तुलनात्मक अध्ययन भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान गगनयान के लिए कर रहे हैं।

शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने कहा कि गगनयान मिशन के लिए औपचारिक प्रशिक्षण जल्द ही शुरू होगा।

गगनयान मिशन के लिए चार भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों का चयन किया गया है और उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह मिशन 2027 में होने की उम्मीद है, जब स्वदेश निर्मित एलवीएम-3 कम से कम दो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में ले जाएगा। भारतीय वायुसेना के पायलट से अंतरिक्ष यात्री बने शुक्ला ने कहा कि इसरो के इंजीनियर गगनयान मिशन और अन्य मानव अंतरिक्ष उड़ानों के बीच असमानताओं की पहचान कर रहे हैं, ताकि यदि कोई कमी रह गई हो तो उसका पता लगाया जा सके। उन्होंने यहां भारतीय अंतरिक्ष संघ (आईएसपीए) द्वारा आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, ''ये मिशन इतने जटिल हैं कि आप जब कुछ भेजते हैं तो पूरी तरह सुनिश्चित होना चाहते हैं। यह गतिविधि बहुत तीव्रता से हो रही है। सभी प्रणालियों पर चर्चा की जा रही है, उनमें संशोधन किया जा रहा है। सिद्धांत की जांच की जा रही है।''

शुक्ला ने कहा कि गगनयान मिशन एक सतत कार्यक्रम है और प्रशिक्षण तथा विकास कार्य साथ-साथ हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गगनयान मिशन के लिए एक औपचारिक प्रशिक्षण प्रक्रिया होगी, लेकिन यह अन्य मिशनों की तरह विस्तारित नहीं होगी।

शुक्ला ने कहा, ''जब मैंने एक्सिओम-4 के लिए प्रशिक्षण शुरू किया, तो यह मिशन तक चलता रहा। यह पहले गगनयान मिशन के लिए भी संक्षिप्त नहीं होगा।''

अंतरिक्ष यात्री ने कहा कि वह एक्सिओम-4 मिशन के अपने अनुभव तथा कक्षीय प्रयोगशाला में 18 दिनों के प्रवास के दौरान प्राप्त प्रणालियों और सूचनाओं को इसरो इंजीनियरों के साथ साझा कर रहे हैं।

शुक्ला ने कहा कि एक्सिओम-4 मिशन का मुख्य लाभ यह है कि भारतीय इंजीनियर अपने कार्यों की तुलना उनके प्रवास के दौरान कक्षीय प्रयोगशाला में प्राप्त अनुभव से कर रहे हैं।

एआई की हर बात पर आंख मूंदकर भरोसा न करें : सुंदर पिचाई

लंदन/भाषा। गूगल के प्रमुख सुंदर पिचाई ने कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से मिली हर जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा करने को लेकर लोगों को आगाह किया है।साथ ही पिचाई ने कंपनियों को भी चेतावनी दी कि एआई निवेश का बुलबुला फटने पर कोई भी इससे अछूता नहीं रहेगा।बीबीसी के साथ साक्षात्कार में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के भारतीय-अमेरिकी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पिचाई ने बताया कि एआई मॉडल त्रुटियों से ग्रस्त हैं और उपयोगकर्ताओं को इनके परिणामों की तुलना अन्य स्रोतों से करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप रचनात्मक काम करना चाहते हैं, तो एआई उपकरण मददगार हो सकते हैं, लेकिन लोगों को इन उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करना सीखना होगा और हर बात पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। इस साल मई में गूगल ने अपने जेमिनी चैटबॉट के जरिये सर्च में 'एआई मोड' पेश किया, जिसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को किसी विशेषज्ञ से बात करने जैसा अनुभव देना था।पिचाई ने कहा, हम इस बात पर गर्व करते हैं कि हम यथासंभव सटीक जानकारी देने की कोशिश करते हैं, लेकिन वर्तमान अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकी में कुछ खामियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि एआई निवेश में तेजी एक असाधारण क्षण थी, लेकिन वर्तमान एआई उछाल में कुछ कम तार्किकता दिखती है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या गूगल इस बुलबुले के फटने से अछूता रहेगा, तो पिचाई ने कहा कि कोई भी कंपनी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेगी, इसमें गूगल भी शामिल है।पिचाई ने कहा, हम अभी इंटरनेट की ओर पीछे देख सकते हैं। उस समय स्पष्ट रूप से बहुत अधिक निवेश हुआ था, लेकिन किसी ने भी यह सवाल नहीं किया कि इंटरनेट महत्वपूर्ण था या नहीं। मैं उम्मीद करता हूं कि एआई भी ऐसा ही होगा।

पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' 16 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पुलकित सम्राट अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो रिलीज़ होगी अगले साल की शुरुआत में, यानी कि 16 जनवरी 2026 को। पुलकित की इस घोषणा ने उनके फैंस, खासकर फुक्रे के दर्शकों में जबरदस्त उत्साह फैला दिया है, जो पुलकित को एक नए, दमदार अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। सालों से अपनी बेहतरीन एक्टिंग और प्यारी स्क्रीन प्रेज़ेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाले पुलकित अब 'राहु केतु' के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म उन्हें एक पावर-पैक्ड, मास-अपीलिंग किरदार में पेश करेगी, जो उनके दर्शकों के दिलों में सीधा उतरने वाला है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें फुकरे फ्रैंचाइज़ी की पसंदीदा जोड़ी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बारे फिर अपने मज़ेदार अंदाज़ से दर्शकों का मनोरंजन करते नज़र आएँगे। गौरतलब है कि पुलकित के लिए 'राहु केतु' एक ऐसी फिल्म है, जो कॉमेडी, फैंटेसी, ड्रामा और रोचक कहानी को मिलाकर बनाई गई है, और उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का शानदार मौका देती है। विपुल विग द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने किया है। साथ ही फिल्म में पुलकित के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आ रहे वरुण शर्मा भी अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जाने जाते हैं। इनके साथ ही इस फिल्म में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी, जिन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में दमदार प्रदर्शन के जरिए दर्शकों को प्रभावित किया है। 'राहु केतु' के साथ न सिर्फ पुलकित सम्राट अपनी शानदार और धमाकेदार वापसी करेंगे, बल्कि इस फिल्म के साथ फिल्मों के नज़रिए से नए साल की शानदार शुरुआत होगी।

नेहा भसीन ने ऑल-गर्ल्स बैंड से लिखी अपनी पहचान की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय संगीत जगत में कई ऐसी आवाजें हैं, जिन्होंने समय के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाई है, लेकिन कुछ आवाजें शुरुआत से ही इतनी खास होती हैं कि उनका सफर अपने आप में एक प्रेरणा बन जाता है। नेहा भसीन ऐसी ही कलाकारों में से एक हैं। बचपन से ही गाने के प्रति उनके जुनून को देख लोग कहते थे कि वह एक दिन देश की सबसे खास गायिकाओं में गिनी जाएंगी। आज भले ही लाखों लोग उन्हें 'जग घूमेया' और 'कुछ खास' जैसे सुपरहिट गानों की वजह से पहचानते हों, लेकिन उनके करियर की नींव उस समय पड़ी थी जब उन्होंने भारत के पहले ऑल-गर्ल्स बैंड विवा में जगह बनाई थी। करियर के इस मोड़ ने उनकी पहचान को नई उड़ान दी।

नेहा भसीन का जन्म 18 नवंबर 1982 को दिल्ली में हुआ था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने मारिया कैरी का गाना 'हीरो' गाया और एक प्रतियोगिता में जीत हासिल की। इसी स्टेज ने उनके मन में संगीत के प्रति लगाव को बढ़ा दिया। पढ़ाई के दौरान भी नेहा हमेशा प्रोग्राम में हिस्सा लेती और अपनी आवाज से सबका ध्यान खींच लेती थीं। बाद में उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान से ली, जिसने उनकी आवाज को और भी प्रभावशाली बनाया।

कॉलेज के दिनों के दौरान नेहा भसीन ने चैनल वी के शो 'कोक वी पॉपस्टार्स' के लिए ऑडिशन दिया, जो उस समय के सबसे बड़े म्यूजिक टैलेंट सर्च शोज में से एक था। यहां तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन नेहा न सिर्फ चुनी गईं बल्कि 18 साल की उम्र में यह शो जीत भी लिया। शो जीतने के बाद नेहा और बाकी चार लड़कियों ने मिलकर भारत का पहला ऑल-गर्ल्स पॉप बैंड 'विवा' बनाया। यह बैंड उस समय युवाओं में एक क्रेज बन चुका था। टीवी, रेडियो और म्यूजिक चैनल्स पर हर तरफ विवा की चर्चा होने लगी। यह वह समय था जब भारत में पॉप कल्चर अपने सबसे चमकदार दौर से गुजर रहा था और विवा की सफलता ने इसे और भी आगे बढ़ाया। हालांकि यह बैंड कुछ सालों बाद टूट गया, लेकिन इस दौरान नेहा ने जितनी लोकप्रियता हासिल की, वह उनके आगे के करियर के लिए एक मजबूत नींव साबित हुई।

बैंड टूटने के बाद नेहा ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। 2007 में फिल्म 'फैशन' के गाने 'कुछ खास है' से उन्हें वह पहचान मिली, जिसने बॉलीवुड में उनका नाम स्थापित कर दिया। इस गाने के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में नामांकन भी मिला। इसके बाद उन्होंने 'धुनकी', 'जग घूमेया', 'स्वैग से स्वागत', 'हीरिए' और कई अन्य गानों से अपनी जगह मजबूत की। उनकी खासियत यह है कि वे सिर्फ हिंदी ही नहीं बल्कि पंजाबी, तमिल और तेलुगु सहित कई भाषाओं में गाती हैं और हर भाषा में उनकी आवाज उतनी ही मधुर लगती है। नेहा ने साउथ इंडस्ट्री में भी कई सुपरहिट गाने दिए, जिनमें तमिल गाना 'पेसुगिरेन पेसुगिरेन' और तेलुगु गाना 'अतु नुव्वे' शामिल हैं। इन गानों ने उन्हें साउथ की फिल्मों में पसंदीदा गायिकाओं में शामिल कर दिया। उनके करियर में कई अवॉर्ड जुड़े, जिनमें दो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स भी शामिल हैं।

दर्शकों को बहुत पसंद आएगी प्रियंका-महेश बाबू की फिल्म 'वाराणसी'

मुंबई/एजेन्सी

एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' का पहला लुक मेकर्स ने हाल ही में जारी कर दिया है, जिसे देख फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। खास बात है कि फिल्म में पहली बार प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सोमवार को अभिनेत्री के पति निक जोनस ने फिल्म का पोस्ट शेयर किया है। निक ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्ट शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, वाराणसी की शानदार टीम को बधाई। मुझे विश्वास है कि ये फिल्म दर्शकों के बीच जरूर कमाल करेगी। पहले लुक में जंगल, जानवर और रहस्यमयी गुफा के दृश्यों के साथ महेश बाबू नंदी पर बैठे हुए हाथ में त्रिशूल लिए नजर आ रहे हैं, जिससे फैंस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वही, वे इसे एसएस राजामौली की ऐतिहासिक और पौराणिक फिल्मों में अगला बड़ा कदम बता रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा की मौजूदगी और पृथ्वीराज सुकुमारन का विलेन अवतार फिल्म को दिलचस्प बनाते हैं। इस फिल्म के जरिए राजामौली फिर से दर्शकों को पारंपरिक ऐतिहासिक दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हैं।हालांकि, मेकर्स ने फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच रोमांच पैदा करने के लिए इसका टाइटल नहीं बताया था। उन्होंने इसका खुलासा रविवार को टीजर लॉन्च आयोजन के दौरान किया। वहीं, इससे पहले प्रियंका का पहला लुक भी जारी किया था, जिसमें अभिनेत्री पीली साड़ी में बंदूक थामें नजर आ रही हैं।अभिनेत्री के पति निक जोनस मशहूर गायक, सॉन्ग राइटर, और अभिनेता हैं। निक के माता-पिता दोनों संगीत से जुड़े हुए थे, जिस वजह से निक को संगीत से लगाव बचपन से ही था।

प्रदर्शन

राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर लोग नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करते हुए।

अपने मूल अंत के साथ फिर से रिलीज होगी प्रतिष्ठित फिल्म 'शोले'

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में शामिल 'शोले' एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। यह वापसी किसी साधारण री-रिलीज़ जैसी नहीं, बल्कि उस मूल स्वरूप में है जिसमें निर्देशक रमेश सिप्पी ने इस फिल्म को दुनिया के सामने पेश करने की कल्पना की थी। यह अवसर फिल्म की 50वीं वर्षगांठ को विशेष बनाते हुए दर्शकों को वह अनुभव देगा, जिसे 1975 में आपातकाल के दौरान सेंसरशिप के चलते देखने नहीं दिया गया था।

'शोले' के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव फिल्म का अंत रहा, जिसे सेंसर बोर्ड ने अत्यधिक हिंसक बताते हुए रिलीज़ से पहले बदलवा दिया था। मूल अंत में ठाकुर (संजीव कुमार) गब्बर सिंह (अमजद खान) को कील लगे जूतों से मारते हैंएक ऐसा दृश्य जिसे निर्देशक ने कहानी का भावनात्मक चरम माना था। आपातकाल के दौरान सेंसर बोर्ड ने इस हिस्से पर आपत्ति जताई और इसे हटाकर कम हिंसक अंत जोड़ा गया।

अब पहली बार, 50 वर्षों बाद, दर्शकों को निर्देशक रमेश सिप्पी की मूल कल्पना वाला अंत देखने का अवसर मिलेगावह अंत जिसके बारे में आज तक सिर्फ किस्से, चर्चाएँ और फिल्मी इतिहास की किताबें ही बताते थे।

सिप्पी फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा कि यह संस्करण फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन द्वारा 4घ क्वालिटी और डॉल्बी 5.1 साउंड में बड़े जतन से बहाल किया गया है। इस परियोजना ने न सिर्फ फिल्म की तकनीकी गुणवत्ता को नया जीवन दिया है, बल्कि उसके भावनात्मक, नाटकीय और कलात्मक प्रभाव को भी पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली बना दिया है।

2025 की शुरुआत में 'शोले' को टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था, जहां वैश्विक दर्शकों ने इसे बेहद सराहा। 1975 में रिलीज़ होने के बावजूद, इसके पात्र, संवाद, संगीत और सिनेमाई भाषा आज भी भारतीय लोकप्रिय संस्कृति में जीवंत हैं। अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जया बच्चन, हेमा मालिनी, संजीव कुमार और अमजद खान जैसे कलाकारों का अभिनय आज भी भारतीय सिनेमा में मानक की तरह देखा जाता है। 'शोले' बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों द्वारा पार किए जाने के बावजूद अब भी भारत की सबसे अधिक देखी गई फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम रखती है। उसकी लोकप्रियता केवल व्यावसायिक सफलता तक सीमित नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक स्मृति तक फैली है। 4 में इसका पुनर्प्रकाशन न सिर्फ फिल्म दर्शकों के लिए एक उपहार है, बल्कि भारतीय सिनेमा के इतिहास को सम्मान देने का महत्वपूर्ण कदम भी है।

'मस्ती 4' का ग्लैमरस और हाई एनर्जेटिक गाना 'वन इन करोड़' हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

'मस्ती 4' के ग्रैंड रिलीज़ में अब बस एक हफ्ता बचा है, और इसी बीच मेकर्स वेवबैंड प्रोडक्शन ने फिल्म का तीसरा हाई एनर्जेटिक गाना 'वन इन करोड़' लॉन्च कर दिया है, जो आते ही सबका ध्यान खींच रहा है! रिब-टिक्लिंग ट्रेलर और चार्टबस्टर हिट्स 'पकड़ पकड़' और 'रसिया बलमा' के बाद यह नया गाना दर्शकों के उत्साह को और बढ़ा रहा है। सिर्फ यही नहीं 21 नवंबर 2025 को थिएट्रिकल रिलीज़ के लिए तैयार 'मस्ती 4' का दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। मीत ब्रदर्स और मेलो डी द्वारा लिखे इस नए गीत का संगीत तैयार किया है मीत ब्रदर्स ने। फिल्म के ग्लैमरस साइड, भव्यता और विज़ुअली स्टनिंग वाइब को दर्शाता यह ट्रैक यूके की एक विशाल, आलीशान हवेली या एस्टेट में फिल्माया गया है, जो इस गाने को और रिचनेस देता है। सिर्फ यही नहीं एलीगेंट डेकोर, हाई-फैशन स्टाइलिंग और पॉलिश्ड एस्थेटिक्स का संगम, यह गीत 'मस्ती' फ्रेंचाइज़ की बोल्ड और फन-लविंग पहचान को मजबूती से उभारता है। इस गाने में ओजी 'मस्ती' बॉयज़ रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी नज़र आ रहे हैं, जिनके साथ प्रमुख अभिनेत्रियाँ रुही सिंह, श्रेया शर्मा और एलनाज़ नोरोज़ी भी शामिल हैं। इनके साथ अर्जुन वारसी और नरगिस फाखरी भी दिखाई देते हैं, जो सभी अपनी कमाल की स्क्रीन प्रेज़ेंस और चार्म से गाने को और आकर्षक बनाते हैं। कैची हुक लाइन, जबरदस्त एनर्जी और लग्ज़री से भरी म्यूज़िकल स्ट्रक्चर से लैस यह ट्रैक भी जल्द ही दर्शकों की चार्टबस्टर हिट्स में शामिल हो जाए तो आश्चर्य नहीं।

इस गाने के बारे में मीत ब्रदर्स का कहना है, 'वन इन करोड़' के साथ हमारा मकसद एक ऐसा ग्लैमरस, हाई-एनर्जी ट्रैक बनाना था, जो बड़ा, बोल्ड और तुरंत दिल को बांध लेने वाला हो और हमें ख़ुशी है कि हम इसमें सफल हों। 'मस्ती' का वाइब हमेशा फन और फ्लर्टी होता है, इसलिए हमने म्यूज़िक को उसी अपस्केल, इंटरनेशनल फील के साथ तैयार किया है। मीत ब्रदर्स के साथ गीतकार और गायक मेलो डी ने अपनी बात रखते हुए कहा, हम चाहते थे कि हुक लाइन मॉडर्न, प्लेफुल और यादगार होने के साथ कुछ ऐसा हो, जो 'मस्ती' यूनिवर्स की मस्ती और लक्ज़री दोनों को कैप्चर करे। 'वन इन करोड़' शरारत और क्लास का परफेक्ट मिश्रण है, और इसे बनाना हमारे लिए बहुत मजेदार रहा।

गौरतलब है कि मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा लिखित और निर्देशित, 'मस्ती 4' इस प्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइज़ के लिए अपने टैगलाइन लव वीज़ा के साथ एक बड़े-स्केल वाला नया अध्याय है। सिर्फ यही नहीं यह फिल्म ज़वेरी के सिग्नेचर ह्यूमर, शानदार प्रोडक्शन डिज़ाइन, खूबसूरत यूके विज़ुअल्स के साथ ओजी ट्रायो की मज़ेदार केमिस्ट्री का भी वादा करती है। वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, तथा मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी इस फिल्म को ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया ने प्रोड्यूस किया है, साथ ही इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया, शोभा कपूर, एकता कपूर और उमेश बंसल भी निर्माता के रूप में जुड़े हैं।

कार्तिक आर्यन ने हिमेश रेशमिया के मुंबई कॉन्सर्ट में मचाया तहलका

मुंबई/एजेन्सी

अपनी धमाकेदार फिल्मों से बॉलीवुड के हिट मशीन बन चुके कार्तिक आर्यन हों और धमाका न हो ये तो हो ही नहीं सकता। जी हाँ ऐसा ही कुछ हुआ हिमेश रेशमिया के मुंबई कॉन्सर्ट में, जहां कार्तिक आर्यन ने आते ही माहौल को पूरी तरह से बदल दिया।

जैसे ही अपनी स्टार पावर, करिश्मे और जबरदस्त स्क्रीन-प्रेज़ेंस के साथ कार्तिक ने स्टेज पर एंट्री मारी, दर्शक उत्साहित हो गए और देखते ही देखते कार्तिक पूरे शो की धड़कन बन गए। कार्तिक ने गर्मजोशी से न सिर्फ स्टेज पर अपनी हाई एनर्जेटिक मुस्कुराहट के साथ एंट्री मारी, बल्कि वे बीट्स पर थिरके भी अपने चिर-परिचित अंदाज़ में फैंस से जुड़ते चले गए। ऐसे में ये कहें तो गलत नहीं होगा कि उनकी इस मौजूदगी ने क्रिसमस पर रिलीज़ हो रही उनकी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के लिए परफेक्ट माहौल सेट कर दिया है। गौरतलब है कि इस ख़ास मौके पर जहाँ हिमेश ने कार्तिक को गले लगाकर स्वागत किया, वहीं कार्तिक ने भी उनके इस प्यारा भरे अभिवादन को बेहद गर्मजोशी से लिया।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी: हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है।

फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है।''

उन्होंने कहा, ''हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है।''हुमा ने 'दिल्ली क्राइम सीजन 3' में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय 'महारानी' की शूटिंग कर रही थीं।उन्होंने कहा, ''मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है।''हुमा ने कहा, ''खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया।

दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। 'महारानी' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं।''दिल्ली क्राइम सीजन 3' 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

व्यक्तित्व विकास का मूल मंत्र जीवन विज्ञान : साध्वी पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआर नगर से विहार कर साध्वीश्री पुण्ययशाजी सानुमंगला पहुंची। साध्वी पुण्ययशाजी ने सानुमंगला विद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी विद्या अर्जन हेतु विद्यालयों में अध्ययन करते हैं।अध्ययन करके कोई डॉक्टर बनता है, कोई इंजीनियर, कोई टीचर, कोई चार्टर्ड अकाउंटेट तो कोई वकील बनता है। इन सबके साथ अच्छा इन्सान बनना जरूरी है।

अच्छा इन्सान बनने के लिए साध्वीश्री ने बच्चों को जीवन विज्ञान के कुछ प्रयोग बताए, जिससे वे अपने इमोशन पर नियंत्रण रख सकें। इसके साथ-साथ बच्चों को सदा सच बोलने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ने कहा, ईमानदारी, सदाचार, गुरुजनों के प्रति विनम्रता, माता-पिता का सम्मान, परीक्षा में नकल न करना तथा सबके साथ मैत्री भाव रखना, ये अच्छे इंसान बनने के गुण हैं, जिन्हें अपनाने से जीवन में उच्च एवं अच्छे संस्कार आते हैं।ईगलटन से समागत सारिका नाहटा ने बच्चों को साध्वीश्री का परिचय दिया तथा कन्नड़ भाषा में अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के बारे में बताया।

धन-दौलत नहीं, प्रभु भक्ति ही जाएगी साथ : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुशील धाम पहुंचे डॉ. वरुणमुनिजी ने प्रवचन में जीवन के मूल तत्वों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संसार में संचित की गई धन-दौलत, पद, प्रतिष्ठा और भौतिक साधन मनुष्य के साथ नहीं जाते बल्कि प्रभु भक्ति से विकसित हुई आत्मिक शक्ति, सद्गुण और पुण्य ही जीव का वास्तविक सहारा बनते हैं। संतश्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जन्म बड़ा दुर्लभ है और इसका सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब हम अपने कर्मों को पवित्र करें, मन को निर्मल बनाएं और प्रभु के चरणों में स्थिर भक्ति स्थापित करें। उन्होंने कहा कि धन जीवन को सुविधा दे सकता है, परंतु भक्ति आत्मा को शांति, स्थिरता और मोक्ष का मार्ग प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा कि संसार में देखा जाता है कि लोग संपत्ति और संग्रह में तो बहुत समय व्यतीत करते हैं, किंतु आत्मा के कल्याण की ओर ध्यान नहीं देते। जबकि सच यह है कि मृत्यु के क्षण में न कोई संबंध साथ जाता है, न कोई वैभव-केवल भक्ति, साधना और सुकृत ही जीव की रक्षा करते हैं। संतश्री ने श्रद्धालुओं को सरल जीवन, संयम, करुणा, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को अपने चरित्र में उतारने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि प्रभु का स्मरण प्रत्येक परिस्थिति में मन को बल देता है और जीवन की दिशा को धर्ममय बनाता है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर गुरु दर्शन वंदन का लाभ लिया। संचालन करते हुए रूपेशमुनिजी ने दिव्य भजन प्रस्तुत कर सभा को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया।

वैश्विक अधिकार समूहों और थिंकटैंक ने हसीना के मुकदमे की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कई वैश्विक थिंकटैंक ने उस मुकदमे की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं, जिसके कारण बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई। हसीना को सोमवार को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) द्वारा उनकी अनुपस्थिति में मानवता के विरुद्ध अपराध के लिए मौत की सजा सुनाई गई। यह सजा पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर उनकी सरकार की क्रूरतापूर्ण कार्रवाई के लिए दी गई। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि हसीना की अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें मौत की सजा सुनाना न तो निष्पक्षतापूर्ण था और न ही न्यायसंगत, जबकि न्यूयॉर्क स्थित 'ह्यूमन राइट्स वॉच' (एचआरडब्ल्यू) ने कहा कि अभियोजन पक्ष अंतरराष्ट्रीय निष्पक्ष सुनवाई के मानकों के तहत कार्यवाही करने में विफल रहा।

एमनेस्टी ने कहा, यह एक निष्पक्ष मुकदमा नहीं था अनुपस्थिति में इस मुकदमे को जिस अभूतपूर्व तेजी से चलाया गया और जिस तरह फैसला सुनाया गया, उसने इस मामले में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

संस्था ने कहा कि अदालत द्वारा नियुक्त वकील के पक्ष रखने के बावजूद, हसीना को अपना बचाव तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया और बचाव पक्ष को विरोधाभासी साक्ष्यों पर जिरह करने की अनुमति नहीं दी गई।

इसमें कहा गया है कि यह मुकदमा उस अदालत के समक्ष चलाया गया जिसकी एमनेस्टी इंटरनेशनल ने निष्पक्षता की कमी और अनुचित कार्यवाही के इतिहास के लिए लंबे समय से आलोचना की है।

एमनेस्टी ने कहा कि जुलाई 2024 में फैली अशांति के पीड़ित बेहतर के हकदार हैं और बांग्लादेश को एक ऐसी न्याय प्रक्रिया की आवश्यकता है जो पूरी तरह से निष्पक्ष हो, जिसमें पक्षपात का कोई संदेह न हो और जो मृत्युदंड के माध्यम से मानवाधिकारों के उल्लंघन को बढ़ावा न दे।

एचआरडब्ल्यू ने एक बयान में कहा कि हसीना के खिलाफ सबूतों में ऑडियो रिकॉर्डिंग भी शामिल हैं जिनमें उन्होंने कथित तौर पर घातक हथियारों के इस्तेमाल का आदेश दिया था। बयान में यह भी कहा गया कि अदालत द्वारा नियुक्त वकील गवाहों से जिरह कर सकता था, लेकिन उसने बचाव पक्ष का कोई गवाह पेश नहीं किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय साधुमार्गी शांतक्रांति श्रावक संघ की कर्नाटक शाखा ने, जयपुर में नव निर्माणाधीन नवकार भवन में भोजन शाला निर्माण के विशिष्ट सहयोगी बनने पर पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कुमार चोपड़ा का सम्मान किया। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत एवं वरिष्ठ सदस्य बाबूलाल दक ने गोड़वाड़ भवन में चोपड़ा का सम्मान किया। संघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने दुर्ग छत्तीसगढ़ में बन रहे नवकार भवन निर्माण की जानकारी दी।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने जिगनी में आयोजित की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर की सदस्याओं ने जिगनी निवासी अरिहंत सुराणा के निवास पर विराजित डॉ मुनि पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में संगठन यात्रा की। अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने मुनि श्री के विहार की सुख साता पूछते हुए सभी का स्वागत किया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा गांधीनगर महिला मंडल सक्रिय और सशक्त मंडल है। आज हर क्षेत्र में महिला मंडल का योगदान है।

गुरु इंगित महिलाएं हर कार्य करती हैं तथा सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक कार्य में भी महिलाओं का योगदान रहता है । मुनिश्री ने जिगनी की सदस्याओं के एकत्व, आपसी सौहार्द और सक्रियता की सराहना की। मुनिश्री ने तुलसी दीक्षा शताब्दी समारोह से जुड़ने की प्रेरणा दी। मंत्री विजेता रायसोनी ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने अंकुरम, श्रद्धा विराट महिला सम्मेलन, अर्हत वंदना सहित अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी । संगठन मंत्री प्रमिला धोका ने संगठन यात्रा के बारे में बताया।

खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु की दूसरी शाखा का गठन

मीना बनी चेयरपर्सन, अनीता अध्यक्ष और डिम्पल बनी मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ मंदिर में अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु की दूसरी शाखा का गठन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरती जैन के नेतृत्व में किया गया। सर्वसम्मति से चेयरपर्सन पद पर मीना मेहता एवं अध्यक्ष पद पर अनिता गोलिया,उपाध्यक्ष रेनू पालरेचा, मंत्री डिम्पल छाजेड़, सहमंत्री नीरू गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष सीमा बोथरा, प्रचारप्रसार मंत्री प्रियंका दफ्तरी को मनोनीत किया गया। इस मौके पर बेंगलूरु शाखा की चेयरपर्सन किरण ललवानी, अध्यक्ष आरती जैन, मंत्री रेखा चोपड़ा, प्रचार प्रसार मंत्री विकी बाफना आदि अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।शाखा के गठन पर 85 महिलाओं ने सदस्यता ली।

एस एवेंजर्स टीम ने नेट निंजास टीम को हराकर जीता 'कटारिया बैडमिंटन कप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ राजाजीनगर की युवा शाखा कांठा प्रांत जैन मित्र मंच द्वारा कांठा प्रांत बेंगलूरु के युवाओं की खेल प्रतिभा को उचित मंच देने के उद्धेश्य से आयोजित कटारिया कप बैडमिंटन प्रतियोगिता 'एस एवेंजर्स टीम' ने जीती। एटूवी बैडमिंटन एकेडमी में मिश्रीमल अजीतकुमार कटारिया के मुख्य प्रायोजन में आयोजित कटारिया कप के सीजन 4 के फाइनल मुकाबला एस. एवेंजर्स टीम एवं नेट निंजास टीम के बीच हुआ।

विकास गुगलिया की लीडरशिप में एस एवेंजर्स टीम ने कप अपने नाम किया। मंच के मंत्री निखिल गुंदेचा ने प्रायोजक व सहप्रायोजकों को धन्यवाद दिया। साजनान संघ के अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया एवं महामंत्री भागचंद गुगलिया ने सभी टीम मालिकों को धन्यवाद दिया।

प्रतियोगिता के संयोजक मनीष बोहरा एवं विशाल गुगलिया ने बताया कि कांठा प्रांत की खेल प्रतिभाएं अपना खेल कौशल दिखाने में हमेशा अग्रणी रही है। प्रतियोगिता में उपस्थित ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने स्वास्थ्य, खेल कौशल एवं नेटवर्किंग बढ़ाने वाली इस प्रतियोगिता का संचालन निरंतर जारी रखने का सुझाव रखा। विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गयी। विजेता टीम के लीडर विकास गुगलिया एवं उपविजेता टीम लीडर विमल कटारिया ने कहा कि आयोजन से कांठा प्रांत के युवाओं के खेल में निखार के साथ नेटवर्किंग भी बढ़ती है।

प्रधानमंत्री के गोयनका व्याख्यान में आर्थिक दृष्टिकोण के साथ सांस्कृतिक आह्वान भी था : थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रामनाथ गोयनका व्याख्यान में आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान दोनों था। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि भारत की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली के अपनी संस्कृति पर गर्व का भाव जगाने के लिए प्रधानमंत्री ने 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील की।

थरूर का कहना था कि काश! प्रधानमंत्री ने यह भी स्वीकार किया होता कि कैसे रामनाथ गोयनका ने भारतीय राष्ट्रवाद की आवाज़ उठाने के लिए अंग्रेजी का इस्तेमाल किया था। थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कल रात इंडियन एक्सप्रेस के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रामनाथ गोयनका व्याख्यान में शामिल हुआ। उन्होंने विकास के लिए भारत की 'रचनात्मक अधीरता' पर बात की और उपनिवेशवाद-विरोधी मानसिकता पर ज़ोर दिया।'' उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान, दोनों का काम किया, जिसमें राष्ट्र को प्रगति के लिए आतुर रहने का आग्रह किया गया। बुरी तरह सर्दी-ज़ुकाम से जूझने के बावजूद दर्शकों में शामिल होकर खुशी हुई।''

थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अब सिर्फ़ एक 'उभरता हुआ बाज़ार' नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक 'उभरता हुआ मॉडल' है, और उन्होंने इसकी आर्थिक क्षमता का ज़िक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन पर हर समय 'चुनावी मोड' में रहने का आरोप लगाया जाता रहा है, लेकिन असल में वे लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए 'भावनात्मक मोड' में थे।''

उनके अनुसार, प्रधानमंत्री के भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मैकाले की 200 साल पुरानी गुलाम मानसिकता की विरासत को पलटने पर केंद्रित था। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान की व्यवस्था में गौरव बहाल करने के लिए 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील की।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ के सदस्यों ने हासन के पास विराजित विद्यासागर जी महाराज के दर्शन कर उन्हें कमंडल सुपुर्द किया। विद्यासागरजी ने अपना चातुर्मास श्रवणबेलगोला में संपन्न किया। कमंडल सुपुर्द करने के अवसर पर जीतो श्रमण आरोग्य के संयोजक दिनेश खिंवेसरा, दिनेश लोढ़ा, रूपचंद कुमट एवं कांतिलाल गुगलिया उपस्थित थे।

पावर ग्रिड ने सरकारी अस्पताल को 6.46 करोड़ रु. के चिकित्सा उपकरण सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिची/दक्षिण भारत। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. ने अपनी सीएसआर पहल के तहत महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल को 6.46 करोड़ रुपए मूल्य के अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण सौंपे हैं। पावर ग्रिड के महाप्रबंधक (एचआर) थानवीर एम ने अस्पताल के डीन डॉ. कुमारवेल को औपचारिक रूप से उपकरण सौंपे। इस अवसर पर पावर ग्रिड के वरिष्ठ डीजीएम दयालन एम और अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर मौजूद थे। इस सीएसआर सहायता का मकसद उन्नत चिकित्सा उपकरण स्थापित करना और विभिन्न सुविधाओं को बढ़ावा देना है। इससे त्रिची और पड़ोसी जिलों के मरीजों को लाभ मिलेगा। पावर ग्रिड ने अपनी सीएसआर पहलों के जरिए देशभर में आर्थिक और सामाजिक विकास में लगातार योगदान दिया है।

पावर ग्रिड ने 30 अक्टूबर तक 287 सबस्टेशन, 1,81,054 सीकेएम ट्रांसमिशन लाइनें और 5,82,516 एमवीए ट्रांसफॉर्मेशन कैपिसिटी चालू कर दी हैं। उसने नवीनतम तकनीकी उपकरणों, ऑटोमेशन और डिजिटल सॉल्यूशन को अपनाकर 99.84 प्रतिशत से ज्यादा की औसत ट्रांसमिशन प्रणाली उपलब्धता बनाए रखी है।

आचार्यश्री जयंतसेनसूरी के जन्मोत्सव पर की जीवदया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद शाखा बेंगलूरु के सदस्यों ने आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी के 90वें जन्मोत्सव दिवस के निमित्त जीवदया कार्यक्रम आयोजित किया। सदस्यों ने गौवंश की सेवार्थ कोरमंगला गौशाला में चारा, फल सब्जियां एवं कबूतरों के लिए दाना पानी की व्यवस्था की गई। परिषद के दक्षिण प्रांतीय महामंत्री डूंगरमल चौपड़ा, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष हेमराज जैन एवं मंत्री नेमीचंद संघवी ने नेतृत्व में उपाध्यक्ष चम्पालाल निमानी, कोषाध्यक्ष दिनेश ओस्तवाल, सदस्य राजू गांधीमुथा, निर्मल जैन, महेन्द्र संघवी, प्रकाश ओस्तवाल, सोहनलाल कटारिया संघवी आदि अनेक सदस्यों ने जीवदया की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**